राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार , 20 मार्च 2026

वर्ष 14,अंक 328, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अभ्यस्त चोर गिरफ्तार किया, नाबालिग बाल अपराधी को संरक्षण में लिया..03

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत..04

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से जुड़े कुछ चुनिंदा शिल्पियों (कर्मयोगी) को सम्मानित करने के बाद उपस्थित रामभक्तों को संबोधित किया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु डेढ़ वर्ष के अंतराल पर दूसरी बार अयोध्या पहुंची और राम मंदिर में श्रीराम यंत्र को स्थापित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर कहा कि श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन हमारे लिए एक जैसा ही है। इस परम पवित्र श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, यहां रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हमारे देश का पुनर्जागरण आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक, इन सभी आयामों पर हो रहा है। देव-भक्ति और देश-भक्ति, दोनों का मार्ग एक ही है। मैं चाहूंगी कि हमारे सभी देशवासी 'घट-घट व्यापी राम' के पवित्र भक्ति-भाव के साथ एकात्म होकर आगे बढ़ें।

राम-राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष 2047 या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी देशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। मैं यहां पर आकर गौरवांवित हूं। राम मंदिर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें यह सौभाग्य का पल मिला है। राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, मंदिर का ध्वजारोहण हमारे इतिहास की स्वर्णिम तिथियां हैं। मुझे श्रीराम यंत्र की स्थापना का अवसर मिला है। यह प्रभु श्रीराम की मेरे ऊपर कृपा का प्रतीक है। ऐसा मेरा मानना है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम को

नमन करना और भारत मां का वंदन करना एक जैसा है। आज के इस अवसर पर हम संकल्प लें कि भारत मां के सम्मान और वैभव को शिखर पर ले जाएंगे।

अयोध्या वैश्विक चेतना का केंद्र : राज्यपाल आनंदी बेन

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को चैत्र नवरात्र की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम का मंदिर अब एक राष्ट्र मंदिर बन चुका है। ये हमारे लिए अत्यंत गौरव का पल है। यह सौभाग्यशाली पल करोड़ों रामभक्तों के संघर्ष और बलिदान के कारण संभव हो सका है। आज अयोध्या वैश्विक चेतना का केंद्र बन चुकी है।

अयोध्या में होती है रामराज्य की अनुभूतिः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज दुनिया भर में युद्ध चल रहे हैं पर हम लोग आज राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के इस आनंदमयी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। यही तो रामराज्य की अनुभूति है, इसलिए ही तो कहा जाता है कि हमारा भारत वर्ष साधु-संतों की भूमि है। उन्होंने कहा कि आज राम मंदिर हमारे युवाओं को हमारी संस्कृति से जोड़ रहा है। यही कारण है कि जब नववर्ष का शुभारंभ होता है तो युवा कहीं और नहीं जाकर मंदिर में दर्शन कर अपने नववर्ष का शुभारंभ करता है। उन्होंने सभी रामभक्तों को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज श्रीराम यंत्र की स्थापना के साथ ही प्रभु श्रीराम का मंदिर परिपूर्ण हो गया। राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। राममंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद आयोजित कार्यक्रम में हजारों रामभक्तों को संबोधित करते हुए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि इसके साथ ही 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण परिपूर्ण हो गया है। कार्यक्रम में राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले लोगों को आमंत्रित किया गया है। इनमें वो लोग भी शामिल रहे जो 1984 से ही राम मंदिर आंदोलन से जुड़े हुए थे।

1995 से चली रही परंपरा कायम रहे, संभल विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में एक बार फिर से कहा कि किसी शख्स के निजी परिसर में प्रार्थना या धार्मिक आयोजन के संबंध में कोई रोक नहीं लगाई जा सकती, भले ही वह व्यक्ति किसी भी धर्म में आस्था रखता हो. कोर्ट का यह भी कहना है कि संभल में जिस स्थान को मस्जिद कहा जा रहा है वो मस्जिद नहीं है. इसी केस में, हाईकोर्ट ने नाराजगी दिखाते हुए संभल के पुलिस अधीक्षक (SP) और जिलाधिकारी (DM) से कहा था कि यदि वे जिले में कानून का शासन स्थापित नहीं कर सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या अपना ट्रांसफर करवा लेना चाहिए. इन दोनों अधिकारियों ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए संभल में एक परिसर में नमाजियों की संख्या सीमित कर दी थी. जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की बेंच ने उस ढांचे की फोटो देखने के बाद कहा कि वह ढांचा आज की तारीख तक कोई मस्जिद नहीं है. हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि उस स्थान का इस्तेमाल पहले भी नमाज अदा करने के इरादे से किया जा चुका है. इसलिए उस स्थान पर नमाज अदा करने पर कोई रोक नहीं होगी।

'1995 से चली आ रही परंपरा का पालन हो'

2 जजों की बेंच ने 16 मार्च को संभल निवासी मुनाजिर खान की ओर दायर याचिका निस्तारित कर दी. कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिस स्थान को मस्जिद कहा जा रहा है, वह मस्जिद ही नहीं है. अपने फैसले में कोर्ट से 1995 से चली आ रही परंपरा के पालन को लेकर प्रशासन को सख्त निर्देश भी दिए. मुनाजिर खान ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि जिला प्रशासन ने उनके परिसर में रमजान के महीने में सिर्फ 20 लोगों को नमाज अदा करने की अनुमति दी, जबकि बड़ी संख्या में नमाजी वहां आ सकते थे. मुनाजिर ने बताया कि उनके बाबा ने साल 1995 में यह मस्जिद बनवाई थी और वक्फ भी किया गया था. यहां के एक कमरे में नियमित तौर पर नमाज पढ़ी जाती है।

धार्मिक आयोजनों में हस्तक्षेप नहीं: सरकार

हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने भी सही जानकारी नहीं दी है. फोटो देखने के बाद कोर्ट ने माना कि इस जगह पर एक दो मंजिला घर बना हुआ है और इसमें अन्य कमरे भी हैं, जहां नमाज पढ़ी जाती है, लेकिन इसे मस्जिद नहीं कहा जा सकता. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने भी अपना पक्ष रखा और कहा कि सरकार किसी की निजी संपत्ति या पूजा स्थल पर पूजा करने या नमाज पढ़ने को लेकर किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करती है. यदि कोई बाधा डालने की कोशिश करता है तो प्रशासन सुरक्षा उपलब्ध कराता है. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इससे पहले एक सुनवाई के दौरान 27 फरवरी को संभल के पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी पर नाराजगी दिखाते हुए कहा था कि यदि वे कानून का राज स्थापित नहीं कर सकते तो उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर कहीं और अपना ट्रांसफर करवा लेना चाहिए. कोर्ट ने यह भी कहा, '1.4 अरब की आबादी वाले इस देश की खूबसूरती इसके लचीलापन और ताकत में ही निहित है जो कि इसकी ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता से पैदा होती है. इस धरती पर दूसरा कोई देश नहीं है जहां सदियों से हर बड़े धर्म, संस्कृति और भाषाई विविधता सह-अस्तित्व में रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

सीतापुर के जिला अस्पताल के ऑर्थो विभाग में ऑनलाइन OPD शुरू, मोबाइल पर मिली दवाओं की जानकारी

सीतापुर। जिला अस्पताल की ओपीडी (ब्राह्य रोग विभाग) में कंप्यूटरों का उपयोग शुरू हो गया है। इससे मरीजों का डेटा सुरक्षित रखने और पर्ची की प्रक्रिया आनलाइन करने में मदद मिलेगी। इन कंप्यूटरों की मदद से डाक्टर पर्चा देखकर परामर्श दे सकते हैं, और दवाइयां व जांच रिपोर्ट भी आनलाइन डिस्पेंसरी व पैथोलोजी तक पहुंचाई जा सकेगी, जिससे मरीजों को बेहतर सुविधा मिलने की संभावना है ।

गुरुवार को आर्थो विभाग आनलाइन ओपीडी की शुरूआत हो गई। यहां पर आर्थोपेडिक सर्जन डा़ पवन वर्मा ने मरीजों को कंप्यूटर पर पर्चा देखने के बाद परामर्श देते नजर आए। पहले दिन शुरू हुई इस व्यवस्था के तहत आर्थो विभाग में तीन मरीजों को परामर्श दिया गया है। हालांकि आधी-अधूरी तैयारी के दौरान आनलाइन ओपीडी शुरू हुई है। विभाग में कंप्यूटर तो लगे है, पर प्रिंटर न होने से मरीजों को पर्चा नहीं मिल सका है।

20 कंप्यूटर आपरेटर की गई मांग

जिला अस्पताल में आनलाइन व्यवस्था तो शुरू हो गई है, पर स्टाफ की कमी होने से समस्या जरूर आ रही है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा़ इन्द्र सिंह ने बताया कि आनलाइन व्यवस्था को चिकित्सकों की सहायता के लिए कंप्यूटर आपरेटर की आवश्यकता पड़ेगी। इसको लेकर 20 कंप्यूटर आपरेटर की मांग मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की गई है। आपरेटर मिलने के बाद चिकित्सकों को भी आनलाइन परामर्श देने में काफी सहूलियत मिलेगी।

सीरियल नंबर से तत्काल मिलेगा परामर्श

जिला अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों को पर्चा काउंटर पर समस्या बतानी पड़ेगी। जिसके बाद आपरेटर मरीज का आनलाइन पर्चा बन जाएगा। पर्चा पर ही संबंधित चिकित्सक का नाम दर्ज होगा। इसमें बिना किसी लाइन में लगे मरीज को चिकित्सक के पास पहुंचकर अपना सीरियल नंबर बताना पड़ेगा। नंबर बताते ही चिकित्सक कंप्यूटर में पर्चा देखकर मरीज को परामर्श देंगे।

पुलिस पर हमले का आरोपी 46 वर्ष बाद बरी, हाई कोर्ट ने कहा- 97 साल की उम्र में जेल भेजना ठीक नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला मामले में अभियुक्त 97 वर्षीय गंगा सहाय को 46 साल बाद बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आइपीसी की धारा 323 के अपराध के लिए अपीलार्थी को दोषी करार दिया गया है। उसने पहले ही सजा भुगत ली है। वह जमानत पर है और 97 साल की आयु में उसे जेल भेजना उचित नहीं है। गंगा सहाय के खिलाफ जानलेवा हमले का आरोप साबित नहीं हुआ, ईंट-पत्थर चलाने का अपराध बनता है। सत्र अदालत ने जानलेवा हमले का दोषी ठहराया था, किंतु ईंट-पत्थर फेंकने के आरोप से बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति संजीव कुमार की एकलपीठ ने एकमात्र बचे अपीलार्थी गंगा सहाय की अपील आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सत्र अदालत का फैसला पलट दिया है।

46 साल पहले हुआ था मामला

एक फरवरी 1983 को चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अलीगढ़ द्वारा

पारित निर्णय और आदेश के विरुद्ध आपराधिक अपील क्रमशः गोपी सिंह, गंगा सहाय, किशन प्रसाद और मिहि लाल की तरफ से दायर की गई थी। तीन अन्य अभियुक्तों की मृत्यु हो चुकी है। अभियोजन कथानक के अनुसार थाना बारला के एसआइ जय प्रकाश ने 26 दिसंबर 1980 को इस घटना की एफआइआर दर्ज कराई थी। वादी मुकदमा के अनुसार वह दोपहर लगभग 3:10 बजे उपनिरीक्षक जय प्रकाश, कांस्टेबल तेज सिंह और याद राम सिंह के साथ गांव-मुदहैल में तेज सिंह के आवेदन की जांच करने के लिए पहुंचे थे। तेज सिंह के दरवाजे पर दोनों पक्षों को बुला कर समझौता करने अथवा अपनी शिकायत के निवारण के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी। इस पर गोपी सिंह, गंगा सहाय, किशन प्रसाद व मिहिलाल (गोपी सिंह का भतीजा) उत्तेजित हो गए। अपने चबूतरे पर खड़े होकर पत्थर व ईट फेंकना शुरू कर दिया।

पुलिस पार्टी पर चलाई थी गोली

मिहिलाल ने देशी पिस्तौल निकाली और पुलिस पार्टी पर गोली चलाई, जिससे वे बच गए। दोनों कांस्टेबलों को पत्थर-ईट से चोटें आई। गांव के निवासियों करण सिंह, देव करण सिंह, पखपाल, तिरखा की मदद से पुलिस ने मिहिलाल को मौके पर पकड़ लिया। कोर्ट ने कहा कि अपराध साबित करने की जिम्मेदारी अभियोजन की है। वह अपीलार्थी के खिलाफ समूह के साथ जानलेवा हमले का आरोप साबित नहीं कर सका, लेकिन ईंट-पत्थर चलाने का साक्ष्य पर्याप्त है। जेल में बिताए दिनों की सजा देखते हुए कोर्ट ने रिहाई का आदेश दिया। अभियुक्त पहले से जमानत पर है। कोर्ट ने जमानत बंधपत्र उन्मोचित कर दिया है।

राज्य विश्वविद्यालय में बैक पेपर में प्रमोट की मांग को लेकर प्रयागराज में छात्रों का प्रदर्शन, थाली पीट जताया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों का गुस्सा एक बार फिर गुरुवार को सड़कों पर दिखा। स्नातक और परास्नातक परीक्षा परिणाम में बड़ी संख्या में छात्रों को बैक और फेल किए जाने से आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया।

बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को बैक या फेल हुए हैं छात्र

छात्रों का कहना है कि एक मार्च को जारी परिणाम में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को बैक या फेल कर दिया गया, जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारी छात्रों की मुख्य मांग है कि बैक किए गए विद्यार्थियों को प्रमोट करें अथवा परिणाम की दोबारा निष्पक्ष समीक्षा कराई जाए।

कई जिलों के छात्र राजय विश्वविद्यालय में जुटे

गुरुवार को प्रतापगढ़, कौशांबी, मीरजापुर, भदोही और फतेहपुर समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय पहुंचे। करीब दो घंटे तक छात्र परिसर में

डटे रहे, लेकिन उनकी शिकायत सुनने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे छात्रों में नाराजगी और बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया था। कुलपति प्रोफेसर अखिलेश सिंह ने कहा कि छात्र चुनौती मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

करीब 50 हजार छात्र फेल हैं

विश्वविद्यालय की स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में अब तक करीब तीन लाख छात्रों का परिणाम घोषित किया जा चुका है। इनमें से लगभग 18 से 20 प्रतिशत यानी करीब 50 हजार छात्र फेल हो गए हैं। अभी करीब दो लाख छात्रों के परिणाम घोषित होने बाकी हैं। परिणामों के सामने आने के बाद कई विषयों में असामान्य रूप से कम पास प्रतिशत को लेकर छात्रों और कॉलेज प्रबंधन दोनों ने सवाल उठाए हैं।

35 से 48 % ही विज्ञान विषयों में उत्तीर्ण हैं

सबसे अधिक खराब परिणाम परास्नातक के विज्ञान विषयों में सामने आए हैं। एमएससी जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और वनस्पति विज्ञान में केवल 35 से 48 प्रतिशत छात्र ही पास हो सके हैं। वहीं बीकॉम पांचवें सेमेस्टर में भी मात्र 48 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं। प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की बात करें तो एलएलबी और बीएएलएलबी में भी पास प्रतिशत 38 से 40 के बीच रहा, जिससे लगभग आधे छात्र असफल हो गए। परिणामों को लेकर स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों ने भी कड़ी आपत्ति जताई है।

छात्रों की मांग- अन्य छात्रों को भी प्रमोट किया जाए

छात्रों का कहना है कि बीते 13 मार्च को हुए प्रदर्शन के दौरान कुलपति के द्वारा रिव्यू कमेटी गठित की गई थी। कमेटी द्वारा बीते बुधवार को परिणाम घोषित किया गया, जिसमें मात्र 10 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रमोट किया गया है। शेष का भविष्य अधर में है। अन्य छात्रों को भी प्रमोट किया जाए इसी मांग को लेकर आज धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है।

3 लाख लोन लेकर घर खरीदा, किश्त नहीं चुका पाने पर एजेंट ने की बदसलूकी; महिला ने जहर पीकर किया सुसाइड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तेलंगाना से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां लोन रिकवरी एजेंट की बदसलूकी से परेशान एक महिला ने सुसाइड कर लिया. दरअसल, घर का कर्ज चुकाने में असमर्थ एक महिला ने आत्महत्या कर ली. घर के दरवाजे पर लोन रिकवरी एजेंट ने घर आकर किस्त नहीं भर पाने पर बदसलूकी की थी. अपमान को सहन न कर पाने के कारण वह गहरे अवसाद में डूब गई. इसके अलावा, कर्ज चुकाने में परिवार से कोई सहयोग न मिलने से भी वह दुखी थी. इसी कारण महिला ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली. मामला जोगुलम्बा गडवाल जिला मुख्यालय का है. इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में गहरा शोक फैल गया है. गडवाल नगरपालिका के अंतर्गत दाउदरपल्ली कॉलोनी की निवासी दौलम्मा ने 2017 में अपनी बड़ी बेटी इंदु का विवाह रामंजनयुलु से किया था. वह अपने पति के साथ अपने नाना-नानी के घर में रहती हैं. रामंजनयुलु और इंदु के दो बेटे हैं. हालांकि, उन्होंने पिछले साल एक नया घर बनवाया. इसके लिए उन्होंने कई जगहों से कर्ज लिया था।

3 लाख 50 हजार रुपए का लिया था लोन

उसने एक निजी वित्त कंपनी से घर खरीदने के लिए लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये का ऋण लिया. वह हर महीने 8,600 रुपये की किस्त चुका रही थी. इसके अलावा, उसने कुछ जान-पहचान वालों से भी पैसे उधार लेकर घर बनवाया. दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हुए, मासिक किस्त चुकाने की जिम्मेदारी उसी पर आ गई. उसके पति, नानी या दादा में से कोई भी ऋण चुकाने के लिए आगे नहीं आया. चूंकि कोई भी काम नहीं कर रहा था, इसलिए मासिक किस्त चुकाना उसके लिए बोझ बन गया. वह एक-एक पैसा बचा रही थी और परिवार का भरण-पोषण करने के साथ-साथ कर्ज भी चुका रही थी. इस क्रम में, निजी वित्त कंपनी को किस्त कई बार देने में देरी हुई. हालांकि, उस कंपनी के प्रतिनिधि अक्सर घर-घर आते रहते थे... और इससे इंदु परेशान हो गई. वित्त कंपनी के एजेंट के उत्पीड़न के अलावा, परिवार के सदस्यों की उपेक्षा भी उन्हें सता रही थी. परेशान इंदू ने 16 मार्च की दोपहर आत्महत्या का प्रयास किया।

अस्पताल में तोड़ा दम

आस-पास के लोगों की मदद से, उनके पति रमानजनेयुलु इंदु को गडवाल सरकारी अस्पताल ले गए. वहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया. इलाज के दौरान, मंगलवार, 17 मार्च की आधी रात के बाद इंदु का निधन हो गया. उनके दो बच्चे अनाथ हो गए. इंदु की मृत्यु से दाउदरपल्ली कॉलोनी में शोक की छाया छा गया. पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है. पुलिस ने बताया कि शुरुआती आकलन के अनुसार, इंदु की मौत कर्ज न चुका पाने के कारण अवसाद से हुई है. पुलिस ने कहा कि लोन रिकवरी एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तम नगर में रामनवमी तक रहेगी कड़ी सुरक्षा, पुलिस और सरकार को हाई कोर्ट ने दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। ईद के दौरान हिंसा रोकने की मांग वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस सहित अन्य से जवाब मांगा है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया है कि याचिका में कानून-व्यवस्था की उस संभावित स्थिति से संबंधित कुछ मुद्दे उठाए गए हैं और याचिका में ईद के दिन इससे सार्वजनिक जीवन में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। अदालत ने यह भी रिकॉर्ड पर लिया कि याचिका में व्यक्त की गई आशंका चार मार्च को होली के दिन उत्तम नगर में एक युवक की हत्या के बाद उत्पन्न हुई स्थिति के कारण हुई।

अदालत ने क्या-क्या कहा

मृत्यु के कारण विभिन्न समुदायों से संबंधित लोगों में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसके कारण समाज के कुछ वर्ग ईद के अवसर पर हिंसा कर सकते हैं और ऐसी स्थिति से बचा जाना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि पुलिस ने यह भी बताया है कि इलाके में सीएपीएफ और दिल्ली पुलिस की पर्याप्त संख्या में तैनाती की गई है। चार कंपनी में 400 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि कानून व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। पुलिस ने बताया है कि इंटरनेट मीडिया पर निगरानी भी रखी जा रही है और 8862 लोगों को सत्यापित किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार अमन कमेटी बैठक जिला स्तर पर की जा चुकी है। पिछले दो सप्ताह में इस तरह की 36 बैठक की जा चुकी हैं। इसके अलावा पुलिस ने यह भी बताया कि द्वारका पुलिस ने कानून-व्यवस्था के संबंध में कई कदम उठाए हैं।

ईद का त्योहार खुशी मनाने के लिए

अदालत ने कहा कि ईद का त्योहार खुशी मनाने के लिए मनाया जाता है और यह सभी संबंधित व्यक्तियों का कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि इस पवित्र अवसर पर किसी भी व्यक्ति या समाज के किसी भी वर्ग द्वारा की गई तोड़-फोड़ या गुंडागर्दी जैसी किसी भी अप्रिय घटना के कारण जनजीवन बाधित न हो।

पुलिस को बरतनी होगी अतिरिक्त सावधानी

अदालत ने कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं है कि सरकार और पुलिस का कर्तव्य है कि समाज का हर नागरिक अपने धार्मिक अधिकारों का पालन सुनिश्चित

करे। याचिका में जताई गई आशंका चार मार्च को हुई घटना पर आधारित हैं और इसलिए पुलिस अधिकारियों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। पीठ ने कहा कि अदालत इस बात पर जोर देती है कि स्थिति का आकलन करने पर यदि पुलिस बंदोबस्त को और मजबूत करने की कोई आवश्यकता महसूस होती है, तो तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

'कड़ी निगरानी रखें सरकार और पुलिस'

अदालत ने पुलिस और सरकार को लगातार कड़ी निगरानी रखने का आह्वान करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के सदस्यों से भी संयम बनाए रखने और इस तरह से आचरण करने का आह्वान किया, जिससे शांति और सद्भाव को बढ़ावा मिले और ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो जो विकट रूप ले ले।

कानून के तहत सभी उचित कदम उठाए पुलिस

अदालत ने उक्त टिप्पणियों के साथ कहा कि हम इस क्षेत्र की पुलिस और नागरिक प्रशासन को निर्देश देते हैं कि वे कानून के तहत अनुमेय सभी आवश्यक कदम उठाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति कोई अप्रिय मोड़ न ले। अदालत ने कहा कि पुलिस का बंदोबस्त इस प्रकार का होना चाहिए जिससे सभी लोगों में सुरक्षा और संरक्षा की भावना पैदा हो। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि समाज के किसी भी वर्ग के किसी भी व्यक्ति को ऐसी कोई भी शरारत करने की अनुमति न दी जाए।

6 अप्रैल को होगी अलगी सुनवाई, रामनवमी तक लागू रहेगी व्यवस्था

अदालत ने निर्देश दिया कि इलाके में की गई सुरक्षा व्यवस्था रामनवमी तक लागू रहेगी। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। अदालत ने दिल्ली पुलिस की तरफ से पेश हुए स्थायी अधिवक्ता संजय लाऊ से कहा कि पुलिस से कहें की कोई कमी न रहे।

नौ माताओं के महापर्व के साथ हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं

पवित्र चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ हिंदू नव वर्ष की आप सभी को शुभकामनाएं अनंत बधाइयां

नवरात्रि का पहला दिन यानी प्रतिपदा तिथि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री को समर्पित माना जाता है। इस दिन जौ (जवार)बोने तथा कलश स्थापना पूजन के साथ ही देवी का पूजन किया जाना शुभ माना जाता हैइ यह भी शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी ,नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता हैइ द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करने समय सफेद,पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती हैइस दिन पीला, लाल, दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माना जाते हैं एवं रंग के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में चतुर्थ दिवस में इस भव संसार के ब्रह्मांड की रचना करने वाली दुर्गा मां के चौथे रूप के रूप में देवी कुष्मांडा की आराधना एवं भक्ति की जाती है। इस दिन इस प्रकृति की देवी के स्वरूप की मन से आराधना करना शुभ फल देने वाला है एवं देवी प्रकृति की देवी हैं इनकी उपासना इस दिवस में पीला ,हरा, लाल और भूरे रंग का वस्त्र पहनकर करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है, एवं देवी प्रसन्न होती हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचम दिवस पर पंचमी तिथि को भगवान कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की आराधना एवं श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर छठवें दिन ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी मां की पूजा अर्चना का शास्त्रों में पूजा का विधान माना जाता है। माता कात्यायनी अमोघ फलदायिनी होती हैं भक्तों द्वारा इस दिन लाल, नारंगी, गुलाबी, गेरुआ, मूंगा रंग के कपड़े पहनकर माता रानी की पूजा करने से ऐश्वर्य के साथ वैवाहिक जीवन में शांति सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा तथा अर्चना का विधान है, नवरात्रि की पूजा में तंत्र साधना करने वाले लोग इस दिन काले रंग का वस्त्र धारण करके इनकी पूजा अर्चना करते हैं साधकों को इस दिन बैंगनी, स्लेटी ,नीला एवं आसमानी रंग का वस्त्र धारण कर मां के इस दिव्य रूप की पूजा अर्चना करनी चाहिए, जिससे संपूर्ण ग्रह बाधाएं दूर होती हैं। नवरात्रि के आठवें दिन सर्व सौभाग्य दाइनी देवी महागौरी की उपासना का दिन माना जाता है। यह अत्यंत पवित्र दिन होता है और यह देवी धन, वैभव, सुख, शांति की शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। इनकी पूजा के दौरान साधकों को रातों को केसरिया संतरी गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करके पूजा करनी चाहिए जिससे सुख एवं सौभाग्य की अखंड प्राप्ति होती है। शिवरात्रि में माताओं के नौ रूपों में दुर्गा पूजा के नौवें तथा आखरी दिन संपूर्ण विधि विधान, रीति रिवाज और पूर्ण निष्ठा के साथ देवी की आराधना करने वाले साधकों को संपूर्ण सिद्धियां प्राप्त होती हैं और इनकी उपासना के समय हरा धागों को लाल गुलाबी नारंगी रंग के वस्त्र पहनने से समाज में पद प्रतिष्ठा वैभव एवं धन की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है। आप सभी को चैत्र नवरात्रि कथा हिंदू नव वर्ष की अनंत शुभकामनाएं एवं बधाइयां।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

गुड़ी पड़वा : जहां परंपरा प्रेरणा बनती है और संस्कृति जीवित होती है

नवसंवत्सर का प्रथम सूर्योदय : गुड़ी पड़वा की महिमा

एक ध्वज, अनंत अर्थ—गुड़ी पड़वा का जीवन और ब्रह्मांड दर्शन

जब नई शुरुआत की पहली आहट समय के द्वार पर दस्तक देती है और प्रकृति मुस्कुराकर नवजीवन का स्वागत करती है, तब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का पावन प्रभात एक अलौकिक आभा लेकर अवतरित होता है। यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन में नए सृजन, नई आशा और नए उत्साह का उज्ज्वल आरंभ है—जिसे हम गुड़ी पड़वा के रूप में मनाते हैं। स्वर्णिम किरणों के साथ जब यह दिन धरती को आलोकित करता है, तब हर आंगन में आशा की ध्वजा फहराती है और हर हृदय में नववर्ष का उत्साह उमड़ पड़ता है। यह उत्सव समय के चक्र में वह पवित्र बिंदु है, जहां अतीत का अनुभव और भविष्य की संभावनाएं एक साथ मुस्कुराती हैं।

जब इतिहास, आस्था और सृष्टि की स्मृतियां एक साथ जाग उठती हैं, तब गुड़ी पड़वा का असली महत्व सामने आता है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि उस दिव्य क्षण की याद है जब ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की। यह दिन धर्म की विजय का प्रतीक है, जहां सत्य ने असत्य पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। श्रीराम का अयोध्या आगमन हो या छत्रपति शिवाजी महाराज का स्वराज्य—हर गाथा इस दिन जीवंत हो उठती है। शालिवाहन की विजय इसे नवसंवत्सर का आधार बनाती है और यह संदेश देती है कि हर संघर्ष का अंत विजय में ही होता है। यह संगम गुड़ी पड़वा को अमर परंपरा और साहस, विश्वास की ज्योति बनाता है।

जब प्रकृति स्वयं नवजीवन के उत्सव में डूब जाती है, तब इस दिन का खगोलीय और प्राकृतिक महत्व और भी स्पष्ट हो जाता है। वसंत का पूर्ण जागरण, सूर्य की कोमल ऊष्मा और खेतों में लहराती सुनहरी फसलें इस बात की साक्षी हैं कि धरती नई ऊर्जा से भर उठी है। रबी फसलों की कटाई और नई बुआई की तैयारी इस पर्व को किसान के जीवन से गहराई से जोड़ती है। यह दिन सहज ही यह संदेश देता है कि परिवर्तन ही जीवन का शाश्वत सत्य है, और हर अंत अपने भीतर एक नए आरंभ की संभावना संजोए होता है। इसी कारण गुड़ी पड़वा केवल धार्मिक उत्सव नहीं रहता, बल्कि यह प्रकृति, विज्ञान और जीवनदर्शन का अद्भुत संगम बन जाता है।

गुड़ी पड़वा का सबसे जीवंत रूप गुड़ी की स्थापना में दिखाई देता है, जो विजय और समृद्धि का प्रतीक है। ऊंचे बांस पर सजे रेशमी वस्त्र, कडुनिंब की पत्तियां, आम के तोरण, पुष्पमालाएं और शीर्ष पर तांबे का कलश—सब मिलकर एक दिव्य ध्वज बनाते हैं। यह सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि आशा, एकता और अडिग विश्वास का संकल्प है। जब यह ध्वज पूर्व दिशा में लहराता है, तो ऐसा लगता है मानो सूर्य स्वयं इसकी आभा को नमन कर रहा हो। हर झोंका इसमें संदेश भर देता है—ऊपर उठो, आगे बढ़ो और हर परिस्थिति में विजय पाओ।

जब श्रद्धा और उत्साह घर की चौखट पर उतरते हैं, तब गुड़ी पड़वा के अनुष्ठान पूर्ण रूप में जीवंत हो उठते हैं। प्रातः स्नान के बाद परिवार मिलकर गुड़ी की स्थापना करता है, जो केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और आनंद का उत्सव बन जाती है। रंगोली, तोरण और नए वस्त्रों में सजे चेहरे घर को दिव्य आभा से भर देते हैं। मंत्रों की गूंज, दीपशिखा की उज्ज्वल लौ और धूप की सुगंध इस अनुष्ठान को सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और जीवन में मंगल की कामना का शक्तिशाली माध्यम बना देती हैं। जब स्वाद में भी परंपरा की आत्मा बसती है, तब यह उत्सव और भी पूर्ण हो उठता है। गुड़ी पड़वा के पारंपरिक व्यंजन केवल भोजन नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन का संदेश हैं। कडुनिंब की कड़वाहट और मिठास का संगम यह सिखाता है कि जीवन के हर अनुभव का अपना महत्व है। पूरनपोली, श्रीखंड और अन्य पकवानों की सुगंध घर-आंगन में आनंद घोल देती है। यह पाक परंपरा केवल स्वाद की तृप्ति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संस्कृति और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है, जो हमें ऋतु के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देती है।

जब समाज एक साथ उल्लास में खिल उठता है, तब गुड़ी पड़वा अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। यह पर्व केवल घर तक सीमित नहीं, बल्कि गलियों, बाजारों और समुदायों में जीवंत हो उठता है। नृत्य, गीत, जुलूस और पारंपरिक वेशभूषा इस दिन को रंग और उत्साह से भर देते हैं। नई शुरुआत की हलचल और सपनों की तैयारी हर ओर दिखाई देती है। आधुनिक युग में भी यह पर्व अपनी जड़ों को संजोकर नई पीढ़ी को सिखाता है कि परंपरा ही भविष्य की ऊंचाइयों की नींव है। यह सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक चेतना का प्रखर प्रतीक बनकर उभरता है।

जब हर अंत एक नई शुरुआत का संकेत बन जाता है, तब गुड़ी पड़वा का वास्तविक अर्थ प्रकट होता है। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला एक प्रखर संदेश है। यह अंधकार को चीरकर प्रकाश की राह दिखाता है और हर हृदय में आशा की ज्योति जगा देता है। यह हमें दृढ़ विश्वास दिलाता है कि हर नई शुरुआत अनंत संभावनाओं का द्वार खोलती है। यह पर्व समय से परे साहस, विश्वास और पुनर्निर्माण की जीवंत अनुभूति है। जब तक गुड़ी का ध्वज लहराता रहेगा, तब तक विजय का संकल्प अडिग रहेगा। इसका अमर संदेश सदा गूंजता रहेगा—हर दिन एक अवसर है और हर मन में एक नई सृष्टि रचने की शक्ति।

कृति आरके जैन

नव संवत्सरः समय, सृष्टि, संवेदना, संस्कृति और संकल्प के समन्वय का पर्व

हिंदू नववर्ष केवल कैलेंडर या विक्रम संवत के परिवर्तन का संकेत मात्र नहीं है, बल्कि यह समय, सृष्टि, संवेदना, संस्कृति और संकल्प के उस संगम का उत्सव है जो भारतीय जीवन-दृष्टि की वैज्ञानिक पहचान को अभिव्यक्त करता है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़ने, सनातनी परंपराओं को न भुलाने और भविष्य के लिए नए संकल्प लेने की ऊर्जा प्रदान करता है। भारतीय चिंतन की सबसे बड़ी विशेषता समय को रेखीय न मानकर चक्रीय मानना है। यहाँ हर अंत, एक नए आरंभ का सूत्रपात है। नव संवत्सर इसी शाश्वत चक्र की याद दिलाता है। यह संदेश है कि जीवन में परिवर्तन और नवीनीकरण की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। अतः यह दिवस उत्सव मनाने के साथ-साथ, अपने विचारों और कर्मों को नए सिरे से परिभाषित और परिष्कृत करने का अवसर है। सनातन परंपरा के अनुसार, इसी पावन तिथि को ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना का प्रारंभ किया था। प्रकृति की दृष्टि से भी यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। चैत्र मास में वसंत ऋतु अपने चरमोत्कर्ष पर होती है; वृक्षों में नई कोपलें फूटती हैं और खेतों में फसलें लहलहाती हैं। प्रकृति के इस परिवर्तन को भारतीय संस्कृति ने केवल एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि जीवन के 'पुनर्जागरण' के रूप में स्वीकार करने का संदेश दिया है। यह पर्व प्रकृति और मनुष्य के बीच उस गहरे भावनात्मक संबंध यानी 'संवेदना' को पुनर्जीवित करता है। धार्मिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है क्योंकि इसी तिथि से 'वासंतिक नवरात्रि' का शुभारंभ होता है। नौ दिनों की यह शक्ति-उपासना प्रत्येक मानव को साधना, संयम और आत्म-अनुशासन का मार्ग दिखाती है। यह समय बाहरी कोलाहल के बीच आंतरिक जागरण और सकारात्मक ऊर्जा के संचय का है, जिससे हम एक अनुशासित जीवन जीने का संकल्प ले सकें।भारत की विशाल सांस्कृतिक विविधता में यह नववर्ष का प्रथम दिवस अलग-अलग नामों और रूपों में रचा-बसा है। महाराष्ट्र में इसे 'गुड़ी पड़वा', आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 'उगादि', कश्मीर में 'नवरेह' और सिंधी समाज में 'चेटी चंड' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। संकेत स्पष्ट है कि विशाल भारत में भले ही नाम और रीतियाँ भिन्न हों, लेकिन समय के स्वागत और संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना सर्वत्र एक समान है। आज के तकनीकी और भौतिकवादी युग में इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह नव संवत्सर हमें याद दिलाता है कि वास्तविक प्रगति केवल भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से मापी जाती है। इस पवित्र पर्व के दिन यदि हम प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व, समाज में सह-अस्तित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान का संकल्प लें, तो यह पर्व एक परंपरा से आगे बढ़कर उज्ज्वल भविष्य की नींव बन सकता है। नव संवत्सर हमें यह स्मरण भी कराता है कि प्रत्येक नया वर्ष केवल तारीखों का बदलना नहीं, बल्कि जीवन को नए दृष्टिकोण और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का एक ईश्वरीय आमंत्रण है। आइए, इस पावन अवसर पर हम सब भारतीय समय और सृष्टि के साथ कदम मिलाते हुए एक श्रेष्ठ समाज एवं आत्मनिर्भर विकसित राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लेते हैं।मेरा ऐसा मानना है कि विश्व के लोग यदि इस पर्व के मर्म को समझ पाते, तो आज जो वैश्विक अशांति और युद्ध का वातावरण व्याप्त है, उससे मुक्ति मिल जाती और 'विश्व बंधुत्व' की भावना को बल मिलता।

डॉ. मनमोहन प्रकाश

सड़कें अब शुद्धिकरण का केंद्रः प्रदूषण को हराने वाला बायो-टावर

[हवा की जंग में जैविक जीत: दिल्ली का नया पर्यावरणीय मॉडल]

[प्रदूषण का जैविक जवाब: दिल्ली में माइक्रोएल्गी से बनी हरित क्रांति]

अब दिल्ली घुटती नहीं, जवाब देती है–और यह जवाब किसी मशीन ने नहीं, जीवित प्रकृति ने दिया है। बरसों से जहरीली हवा का बोझ ढोती राजधानी आज एक नई उम्मीद के साथ खड़ी है–माइक्रोएल्गी आधारित प्योरएयर टावर के रूप में। एयरोसिटी के पास एनएच-48 के व्यस्त कॉरिडोर पर स्थापित यह संरचना महज तकनीक नहीं, बल्कि विज्ञान और प्रकृति के अद्भुत संगम की जीवंत मिसाल है। सड़क के बीचों-बीच खड़ा यह 'जीवित एयर प्यूरीफायर' न केवल प्रदूषण को थाम रहा है, बल्कि उसे ऑक्सीजन में बदलकर शहर को नई सांस दे रहा है। यह पहल साफ संकेत देती है कि आने वाला शहरी भविष्य कंक्रीट से नहीं, बल्कि जैविक समाधान पर आधारित होगा।

जब सारे पारंपरिक उपाय बेअसर होकर ठहर गए, तब यह टावर एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति के रूप में उभरकर सामने आया। दिल्ली में पहले लगाए गए स्मॉग टावर बड़े, ऊर्जा-खपत वाले और सीमित प्रभाव वाले साबित हुए थे। इसके विपरीत, माइक्रोएल्गी प्योरएयर टावर सीधे उसी सड़क स्तर पर सक्रिय होता है, जहां प्रदूषण अपनी चरम सघनता पर होता है। यह न शोर करता है, न जटिल मशीनों पर निर्भर रहता है। इसके बजाय, यह सूक्ष्म शैवालों की प्राकृतिक प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो प्रदूषकों को अपने पोषण के रूप में ग्रहण करते हैं। यह प्रणाली केवल प्रदूषण को रोकती नहीं, बल्कि उसे उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करती है– यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

जब सूक्ष्मता ही असली ताकत बन जाए, तब माइक्रोएल्गी का विज्ञान अपने प्रभाव से चौंकाता है–छोटा आकार, पर व्यापक और ठोस असर। ये सूक्ष्म जीव पानी में रहते हुए पेड़ों की तरह प्रकाश संश्लेषण करते हैं, लेकिन कहीं अधिक तेज़ और दक्षता के साथ। सूर्य प्रकाश और एलईडी की सहायता से ये कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर ऑक्साइड तथा पीएम2.5 व पीएम10 जैसे कणों को अवशोषित करते हैं। शोध बताते हैं कि कुछ प्रजातियां पेड़ों की तुलना में 10 से 50 गुना अधिक कार्बन सोखने में सक्षम हैं। इस पूरी प्रक्रिया में न हानिकारक अपशिष्ट बनता है, न अतिरिक्त ऊर्जा लगती है–यह एक स्वाभाविक और सतत समाधान है।

जब एक छोटा-सा ढांचा ही 'हरे फेफड़े' की ताकत समेट ले, तब इस टावर की असली क्षमता सामने आती है। एक अकेला टावर सालाना लगभग 340 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर सकता है और करीब 15 लाख लीटर ऑक्सीजन उत्पन्न करता है। इसका प्रभाव लगभग 15-20 परिपक्व पेड़ों के बराबर है, जबकि यह केवल कुछ वर्ग मीटर जगह घेरता है। शहरी इलाकों में, जहां जमीन सीमित है और पेड़ों को बढ़ने में वर्षों लगते हैं, यह टावर तुरंत सक्रिय होकर परिणाम देने लगता है। यह केवल हवा को शुद्ध नहीं करता, बल्कि उत्पन्न बायोमास को खाद या बायोचार में बदलकर सर्कुलर इकोनॉमी का भी सशक्त हिस्सा बनता है।

जब समाधान सिर्फ रोकने नहीं, बल्कि रूपांतरित करने लगे, तभी असली बदलाव जन्म लेता है–और यही नई सोच इस तकनीक में झलकती है। जहां पारंपरिक एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम प्रदूषण को फिल्टर में कैद कर आगे कचरे की नई समस्या खड़ी करते थे, वहीं यह टावर उसी प्रदूषण को उपयोगी संसाधन में बदल देता है। यह एक बायोमिमेटिक फोटोबायोरिएक्टर है–यानी प्रकृति की कार्यप्रणाली से प्रेरित प्रणाली। इसकी ऊर्जा खपत न्यूनतम, रखरखाव सरल और कार्यप्रणाली सतत है। इस दृष्टि से यह समाधान केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी कहीं अधिक टिकाऊ और व्यावहारिक है।

जब दूरदृष्टि और शोध की मजबूती मिलती है, तभी ऐसा नवाचार आकार लेता है जो वास्तव में असरदार हो। इस टावर के पीछे केवल तकनीक नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक सोच है। भारतीय वैज्ञानिकों और स्टार्टअप्स ने इसे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया है। माइक्रोएल्गी की ऐसी प्रजातियां चुनी गई हैं जो दिल्ली की गर्मी, धूल और उच्च प्रदूषण में भी टिक सकें। साथ ही, इसमें रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम है, जो वायु गुणवत्ता, अवशोषित कार्बन और उत्पन्न ऑक्सीजन की जानकारी देता है। यह डेटा-आधारित दृष्टिकोण भविष्य के शहरी नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जब हवा ही ज़हर बन जाए, तब उसे शुद्ध करने वाला हर समाधान जीवनदाता बन जाता है–यही इस तकनीक की असली ताकत है। इसका सीधा असर आम लोगों की सेहत पर पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वायु प्रदूषण हर साल लाखों समयपूर्व मौतों का कारण बनता है। दिल्ली जैसे शहर में यह संकट और गहरा है, जहां सांस, हृदय और न्यूरोलॉजिकल बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में सड़क स्तर पर प्रदूषण घटाने वाला यह टावर बच्चों, बुजुर्गों और रोजाना सफर करने वालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। यह केवल हवा साफ नहीं करता, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

जब सड़कें सिर्फ रास्ता नहीं, बल्कि समाधान बनने लगें, तभी भविष्य की असली दिशा स्पष्ट होती है–जहां विकास और पर्यावरण साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए, तो शहरों के हाईवे, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र प्रभावी 'बायो-डिवाइडर' में बदल सकते हैं। यह न केवल प्रदूषण को नियंत्रित करेगा, बल्कि शहरी हरियाली को एक नई पहचान और विस्तार देगा। सरकार और निजी क्षेत्र के मजबूत सहयोग से यह मॉडल देशभर में व्यापक रूप से लागू किया जा सकता है, जिससे भारत अपने नेट-जीरो लक्ष्यों की ओर और भी तेज़, ठोस और सतत कदम बढ़ा सकेगा।।

जब बदलाव की शुरुआत छोटे कदमों से होती है, तभी बड़े भविष्य की नींव रखी जाती है–और यही इस पहल का सार है। यह संदेश स्पष्ट है कि समाधान कहीं दूर नहीं, हमारे आसपास ही मौजूद हैं, बस उन्हें समझने और अपनाने की जरूरत है। माइक्रोएल्गी प्योरएयर टावर इस बात का जीवंत प्रमाण है कि प्रकृति के साथ तालमेल ही सबसे प्रभावी रास्ता है। दिल्ली की सड़कों पर खड़ा यह छोटा-सा टावर आने वाले समय में एक बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। यह केवल तकनीक नहीं, बल्कि एक नई सोच का उद्घोष है–जहां विकास और पर्यावरण साथ-साथ, संतुलन के साथ आगे बढ़ते हैं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

रमजान की रात में गूंजती मौत की चीखें काबुल का अस्पताल बना कब्रिस्तान और इंसानियत हुई शर्मसार

काबुल की उस रात को शायद ही कोई भूल पाएगा जब आसमान से बरसती आग ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। रमजान का पवित्र महीना चल रहा था जब लोग इबादत और सब्र के साथ अपने दिन गुजार रहे थे। उसी समय अचानक लड़ाकू विमानों की गूंज ने पूरे शहर को दहशत में डाल दिया। कुछ ही पलों में जोरदार धमाकों ने एक बड़े नशा मुक्ति अस्पताल को मलबे में बदल दिया। जहां जिंदगी को बचाने की कोशिशें होती थीं वहीं अब मौत का सन्नाटा पसरा हुआ था। यह घटना केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ एक गहरी चोट बनकर सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस हमले में सैकड़ों बेगुनाह लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। अस्पताल में उस समय हजारों मरीज मौजूद थे जो अपने जीवन को सुधारने की उम्मीद लेकर वहां आए थे। लेकिन किसे पता था कि वही जगह उनकी आखिरी मंजिल बन जाएगी। घायल लोगों की चीखें मलबे में दबे लोगों की मदद की पुकार और चारों तरफ फैली तबाही ने इस घटना को और भी भयावह बना दिया। यह दृश्य किसी युद्ध क्षेत्र से कम नहीं था। तालिबान सरकार ने इस हमले को नरसंहार करार दिया है और कहा है कि यह सीधा हमला अफगानिस्तान की संप्रभुता पर है। उनके अनुसार यह हमला किसी भी मानवीय सिद्धांत के खिलाफ है और इसका जवाब दिया जाएगा। तालिबान के प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि अब बातचीत और कूटनीति का समय खत्म हो चुका है। यह बयान इस बात की ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। जब संवाद के रास्ते बंद हो जाते हैं तब संघर्ष और भी गहरा हो जाता है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनका निशाना केवल आतंकवादी ठिकाने थे। उनका दावा है कि उन्होंने उन स्थानों पर हमला किया जहां से उनके खिलाफ गतिविधियां संचालित हो रही थीं। लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि ऐसा था तो फिर एक अस्पताल कैसे निशाने पर आ गया। क्या यह खुफिया जानकारी की विफलता थी या फिर एक गंभीर लापरवाही। इन सवालों का जवाब अभी तक साफ नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ा उन परिवारों को झेलनी पड़ रही है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोग अपने घर के कमाने वाले सदस्य को खो चुके हैं तो कई बच्चों के सिर से माता पिता का साया उठ गया है। मलबे में बिखरी दवाइयां टूटे हुए बिस्तर और जले हुए कपड़े इस बात के गवाह हैं कि यहां कभी जिंदगी बचाने की कोशिशें होती थीं। अब वही जगह मौत की कहानी सुना रही है। भारत ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है और इसे कायरतापूर्ण बताया है।

भारत का कहना है कि निहत्थे नागरिकों पर हमला किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस घटना पर चिंता जताते हुए जांच की बात कही है। यह स्पष्ट है कि यह घटना केवल दो देशों के बीच का मामला नहीं रही बल्कि अब वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी है। इतिहास गवाह है कि युद्धों में भी कुछ नियम और मर्यादाएं होती थीं। अस्पतालों को हमेशा सुरक्षित स्थान माना जाता था। वहां घायल सैनिकों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता था और उन्हें किसी भी हमले से बचाया जाता था। लेकिन आज के समय में यह मर्यादाएं टूटती नजर आ रही हैं। जब अस्पताल जैसे स्थान भी सुरक्षित नहीं रह जाते तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर युद्ध और आतंक के बीच की रेखा कहां रह गई है। इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हम तकनीकी और सैन्य ताकत के घमंड में मानवता को भूलते जा रहे हैं। जब निर्दोष लोगों की जान जाती है तब कोई भी जीत असली जीत नहीं होती। यह केवल हार होती है इंसानियत की और नैतिक मूल्यों की। दुनिया को यह समझना होगा कि हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता। तालिबान द्वारा बदले की बात कहना भी चिंता का विषय है। यदि बदले की भावना हावी होती है तो यह संघर्ष और भी भयानक रूप ले सकता है। इसका असर केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय आगे आए और इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजने में मदद करे। इस हमले ने उन सभी लोगों के दिलों को झकझोर दिया है जो मानवता में विश्वास रखते हैं। एक अस्पताल का कब्रिस्तान में बदल जाना केवल एक घटना नहीं बल्कि एक चेतावनी है। यह चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं संभले तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं। अंत में यही कहा जा सकता है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। यह केवल विनाश और पीड़ा लाता है। काबुल की यह त्रासदी हमें यह याद दिलाती है कि शांति ही एकमात्र रास्ता है जो मानवता को बचा सकता है। जरूरत है समझदारी की संवेदनशीलता की और उन मूल्यों को फिर से जीवित करने की जो हमें इंसान बनाते हैं।

कांतिलाल मांडोत

भारतीय नवसंवत्सर का स्वर्णिम आरंभ

हिन्दू नववर्ष भारतीय संस्कृति का वह जीवंत प्रतीक है, जो केवल समय के परिवर्तन का संकेत नहीं देता, बल्कि जीवन के मूल्यों, परंपराओं और आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का संदेश भी लेकर आता है। जब चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि आती है, तब यह केवल एक तिथि नहीं रहती, बल्कि एक नई शुरुआत का उद्घोष बन जाती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यही वह क्षण है जब एक नए संवत्सर का आरंभ होता है और प्रकृति स्वयं नवजीवन के रंगों से भर उठती है। यह नववर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर की तरह केवल गणनात्मक नहीं, बल्कि प्रकृति, खगोल और मानव जीवन के गहरे संबंधों पर आधारित है।

हिन्दू नववर्ष का आधार विक्रम संवत है, जो एक प्राचीन कालगणना प्रणाली है और आज भी भारत तथा नेपाल के कई भागों में प्रचलित है। यह पंचांग चंद्र और सूर्य दोनों की गति पर आधारित होता है, इसलिए इसे लूनी सोलर कैलेंडर कहा जाता है। इसकी विशेषता यह है कि यह प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के लिए समय-समय पर अतिरिक्त माह अर्थात अधिमास को भी जोड़ता है, जिससे ऋतुओं और पर्वों का संतुलन बना रहे। यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण दर्शाता है कि भारतीय ऋषियों ने समय की गणना को केवल गणित नहीं, बल्कि जीवन और प्रकृति के समन्वय के रूप में देखा था।

मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण प्रारंभ किया था, इसलिए यह दिन सृष्टि के आरंभ का प्रतीक भी माना जाता है। यही कारण है कि हिन्दू नववर्ष को केवल सामाजिक या सांस्कृतिक पर्व नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह दिन मनुष्य को अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने, नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने और आत्मशुद्धि का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

वर्ष 2026 में हिन्दू नववर्ष 19 मार्च को प्रारंभ होकर विक्रम संवत 2083 का आरंभ करता है, जो एक विशेष वर्ष भी माना जा रहा है क्योंकि इसमें अधिमास के कारण 13 महीने होंगे। यह तथ्य इस बात को और भी रोचक बनाता है कि भारतीय कालगणना कितनी सूक्ष्म और वैज्ञानिक रही है। यह नववर्ष वसंत ऋतु के आगमन के साथ आता है, जब प्रकृति में नवपल्लव फूटते हैं, फूल खिलते हैं और वातावरण में एक नई ताजगी का संचार होता है। यह दृश्य स्वयं इस बात का प्रतीक है कि जीवन में परिवर्तन और नवाचार अनिवार्य हैं।

भारत की सांस्कृतिक विविधता इस पर्व में अत्यंत सुंदर रूप से झलकती है। देश के विभिन्न भागों में इसे अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, जैसे महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उगादी, बंगाल में पोइला बैसाख और सिंधी समाज में चेती चांद। नाम भले ही अलग हों, परंतु सभी में एक ही भावना निहित है नई शुरुआत, समृद्धि और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का स्वागत। यही विविधता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है, जो एकता में अनेकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

हिन्दू नववर्ष का उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को भी सुदृढ़ करता है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, नए वस्त्र धारण करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं और परिवार के साथ मिलकर विशेष भोजन का आनंद लेते हैं। घरों को फूलों, आम के पत्तों और रंगोली से सजाया जाता है, जो समृद्धि और शुभता का प्रतीक होता है। यह सब केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया भी है, जो व्यक्ति को पुराने नकारात्मक अनुभवों को छोड़कर नए सकारात्मक विचारों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका आध्यात्मिक स्वरूप है। चैत्र नवरात्रि का आरंभ भी इसी दिन से होता है, जिसमें देवी दुर्गा के नौ रूपों की उपासना की जाती है। यह साधना केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, संयम और आत्मबल को विकसित करने का माध्यम है। उपवास, ध्यान और जप के माध्यम से व्यक्ति अपने मन को नियंत्रित करना सीखता है और जीवन के गहरे अर्थ को समझने का प्रयास करता है। इस प्रकार हिन्दू नववर्ष केवल बाहरी उत्सव नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन का भी अवसर है।

हिन्दू नववर्ष हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में हर अंत एक नई शुरुआत का संकेत होता है। बीते हुए वर्ष की गलतियों और अनुभवों से सीख लेकर हम नए वर्ष में बेहतर निर्णय ले सकते हैं। यह पर्व हमें आशा, विश्वास और सकारात्मकता का संदेश देता है। यह हमें यह याद दिलाता है कि समय चक्र निरंतर चलता रहता है और हर नया वर्ष हमें स्वयं को सुधारने और आगे बढ़ने का अवसर देता है।

आधुनिक समय में जब वैश्वीकरण और पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, हिन्दू नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है और हमारी पहचान को मजबूत करता है। यह युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर देता है कि हमारी परंपराएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक हैं।

इसके साथ ही, यह पर्व हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने की प्रेरणा देता है। वसंत ऋतु में शरीर और मन दोनों में एक नई ऊर्जा का संचार होता है, जिसे आयुर्वेद में स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी माना गया है। इस समय वातावरण शुद्ध होता है, सूर्य की किरणें शरीर को ऊर्जा प्रदान करती हैं और जीवन में संतुलन स्थापित करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार हिन्दू नववर्ष केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

आज के डिजिटल युग में भी हिन्दू नववर्ष अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से यह पर्व नई पीढ़ी तक पहुंच रहा है और लोग इसे नए उत्साह के साथ मना रहे हैं। यह परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय का उदाहरण है, जहां प्राचीन मूल्य आधुनिक साधनों के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं।

अंततः हिन्दू नववर्ष एक ऐसा पर्व है, जो हमें जीवन के मूल सिद्धांतों की याद दिलाता है–संतुलन, संयम, सकारात्मकता और निरंतर विकास। यह केवल एक तिथि का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर है। जब हम इस दिन नए संकल्प लेते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति की दिशा में भी एक कदम होता है। इस नववर्ष पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को संजोकर रखेंगे और उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। यही हिन्दू नववर्ष का वास्तविक संदेश है नवीनता के साथ परंपरा का सम्मान और जीवन में संतुलन का मार्ग। यही वह सवेरा है, जो केवल एक वर्ष का नहीं, बल्कि पूरे जीवन का मार्गदर्शन करता है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

जे पी एस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

रायबरेली। गुरुबक्श गंज स्थित सीएस सी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में आज वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वार्षिकोत्सव के भव्य आयोजन में विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला प्रबन्धक मोहित शुक्ला डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में आए हुए मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए वरिष्ठ समाजसेवी भगवती प्रसाद दीक्षित जी, बड़ौदा मैनेजर जितेंद्र पटेल जी, एस बी आई लाइफ से असिस्टेंट मैनेजर अजय प्रकाश सिंह जी, स्टेट बैंक ब्रांच मैनेजर, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ब्रांच मैनेजर, संजय बाजपेई जी आदि समस्त गणमान्य लोग उपस्थित थे। वर्ष 2025- 26 के पुरस्कार वितरण समारोह में प्लेग्रुप, नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी के बच्चों ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया व डांस/म्यूजिक/ कन्वर्सेशन/ डिसिप्लिन/ अटेंडेंस आदि अनेकों एकेडमिक क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय परिणाम हासिल किए। अभिभावकों द्वारा विद्यालय के प्रति अनेकों प्रशंसाएं की गई। विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा सभी अभिभावकों व बच्चों को अनंत शुभकामनाएं दी गई व उज्जवल भविष्य की कामनाएं की। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि यह दिन बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों व विद्यालय परिवार के लिए बहुत ही हर्ष व गौरव का दिन है। उन्होंने सभी टॉप रैंकर्स व अन्य सभी बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं अमिता, श्रेयांशी, आस्था आकृति, हर्षिता, सिमरन, दामिनी, रंजना, पायल, रेहा तथा अन्य समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बाराबंकी से बहराइच करीब 101.550 किलोमीटर सड़क मार्ग को फोर लेन की मंजूरी दे दी है इसके लिए उन्होंने 6969.04 करोड़ रूपये भी स्वीकृत कर दिए है जल्द ही नेशनल हाईवे का कार्य पूर्ण किया जाएगा।

मिश्रिख में लायर्स एसोसिएशन चुनाव कार्यक्रम घोषित

मिश्रिख (सीतापुर)। तहसील मिश्रिख स्थित लायर्स एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सर्वसम्मति से नियुक्त चुनाव अधिकारी सौरभ सक्सेना एडवोकेट ने बताया कि एसोसिएशन की 23 सदस्यीय कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव कराया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष, महासचिव सहित विभिन्न पदों पर निर्वाचन होगा। घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्रों का वितरण 19 मार्च 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। इच्छुक प्रत्याशी 23 मार्च को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद 24 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच के साथ ही पर्चा वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि मतदान 25 मार्च को संपन्न होगा और उसी दिन मतगणना कर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

आवश्यकता है

सम्बद्धता स्ववित्त पोषित योजना अन्तर्गत प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज उ. प्र.

आर. आर. महाविद्यालय बैजलपुर अमरगढ़ पट्टी प्रतापगढ़ 230124 को प्राचार्य 01 पद, स्नातक स्तर पर - कला संकाय, हिंदी साहित्य 01 पद, संस्कृत 01 पद, प्राचीन इतिहास 01 पद, राजनीति विज्ञान 01 पद, शिक्षाशास्त्र 01 पद, गृहविज्ञान 01 पद, समाजशास्त्र 01 पद, विज्ञान संकाय जन्तु विज्ञान 01 पद, वनस्पति विज्ञान 01 पद, रसायन विज्ञान 01 पद, भौतिक विज्ञान 01 पद, गणित 01 पद परास्नातक स्तर पर हिंदी साहित्य 02 पद, प्राचीन इतिहास 02 पद, गृहविज्ञान 02 पद

योग्यता- यू.जी. सी. के मानकानुसार नेट/पी.एच. डी. वेतनमान स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत राज्यसरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान देय होगा। इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 15 दिन के अन्दर समस्त प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति तीन नवीन फोटो संलग्न कर पंजीकृत डाक द्वारा भेंजे।

प्रबन्धक
पंकज यादव
मो0-9670115555

बेदखली सूचना

मैं राम सागर पुत्र श्री होरी लाल निवासी ग्राम प्रतापखेड़ा, थाना अतरौली, तहसील सण्डीला, जिला हरदोई फाजिल्का हल्फिका बयान करता हूँ कि मैं अपने पुत्र धीरज के चालो चलन से परेशान होकर स्वेच्छा से राजी खुशी से उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। आज से उक्त धीरज पुत्र राम सागर से मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नही है।

बयानकर्ता
राम सागर

अभ्यस्त चोर गिरफ्तार किया, नाबालिग बाल अपराधी को संरक्षण में लिया

● 31 ग्राम सोना और 2 किलो चांदी के आभूषण बरामद

स्वतंत्र प्रभात

सचिन बाजपेई

लखनऊ- लखनऊ पुलिस आयुक्तालय की पूर्वी जोन क्राइम/सिविलियंस टीम और गोमतीनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अभ्यस्त सतत चोर को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग बाल अपराधी को संरक्षण में ले लिया है। इस कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से चोरी का लगभग 31 ग्राम सोने के आभूषण और 2 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस आयुक्तालय के अनुसार, यह कार्रवाई गोमतीनगर थाना क्षेत्र में दर्ज कई चोरी की शिकायतों और मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। 6 मार्च को गोमतीनगर थाने में सुनील कुमार निवासी विराम खंड, गोमतीनगर ने अपने ताले लगे मकान में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी (धारा 305/331(4) बीएनएस)। इसी तरह 11 मार्च को एक अन्य निवासी प्रज्ञा श्रीवास्तव ने भी समान क्षेत्र में चोरी की सूचना दी थी।

मुखबिर की सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस टीम ने 18 मार्च को शहीद पथ अंडरपास के निकट, रेलवे लाइन विनीत विहार सब्जी मंडी क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान एक कुख्यात चोर संतोष कश्यप उर्फ राहुल कश्यप (पुत्र राजेश कश्यप), निवासी रामपुर कटरा पोस्ट, थाना कोतवाली, जिला बाराबंकी (वर्तमान पताः इस्माइलगंज, सतुवा मोहल्ला, दुर्गा मंदिर, गाजीपुर, लखनऊ), उम्र 19 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। साथ ही एक नाबालिग बाल अपराधी को भी संरक्षण में ले लिया गया।

आरोपी के कब्जे से बरामदगी के दौरान लगभग 31 ग्राम पीली धातु (सोने) के आभूषण और 2 किलोग्राम सफेद धातु (चांदी) के आभूषण बरामद हुए। और गोमतीनगर सहित लखनऊ जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में दर्ज कई चोरी के मामलों से मेल खाते हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी और उनके साथी रात के समय आवासीय कॉलोनियों

में ताले लगे घरों की टोह लेते थे। बाहर से ताला लगा देखकर वे छत या गेट के ऊपर चढ़कर घर में घुसते और कीमती सामान चुरा लेते थे। बरामदगी के आधार पर मुकदमों में धारा 317(2) बीएनएस के तहत बढ़ोतरी की गई है और अन्य अनसुलझे मामलों से जुड़ाव की जांच की जा रही है। लखनऊ पुलिस ने मुखबिरों, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी के सहयोग से इस सफलता को अंजाम दिया। पुलिस आयुक्तालय ने पूर्वी जोन क्राइम/सिविलियंस टीम और गोमतीनगर थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। जांच जारी है और बड़े नेटवर्क या अन्य चोरी के माल की तलाश की जा रही है।

बन्थरा के जयदीप त्रिवेदी बने नामित पार्षद

लखनऊ। शासन के निर्देश पर लखनऊ नगर निगम द्वारा बन्थरा के आजाद विहार कालोनी, दरोगा खेड़ा निवासी भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री व काफी समय से पार्टी के लिए काम कर रहे जयदीप त्रिवेदी को बन्थरा के चन्द्रशेखर आजाद वार्ड का नामित पार्षद नियुक्त किया गया है। भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो किसी भी कार्यकर्ता को फर्श से अर्श पर पहुंचाने में देर नहीं करती है। जिसकी नजीर जयदीप त्रिवेदी जैसे युवा भाजपा नेता के तौर पर देखी जा सकती है। ऐसे तमाम नजीर है जिनका कहीं अता पता भी नहीं था न ही लोगों ने वहां तक सोचा था लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने ऐसे ही कार्यक्रताओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया। जयदीप त्रिवेदी के नामित पार्षद नियुक्त किए जाने पर उनके चाहने वालों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया साथ ही फोन पर भी लोगों ने बधाई दी।

लखनऊ में शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, फर्जी नंबर प्लेट वाली चोरी की स्प्लेंडर बरामद

स्वतंत्र प्रभात

(संवाददाता) लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को दबोचकर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल (स्प्लेंडर), 1770 रुपये नकद और छह अदद सफेद धातु की टोटियां (टोंटी) बरामद हुई हैं। आरोपी ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चोरी की बाइक का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस आयुक्त लखनऊ के प्रेस के अनुसार, यह कार्रवाई 17 मार्च को मुखबिर सूचना के आधार पर पिकनिक स्पॉट रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान हुई। आरोपी ने अपना नाम रवि वर्मा पुत्र होलीराम, उम्र 25 वर्ष, निवासी 60 फीटा रोड, त्रिवेणी नगर (मूल निवासी सहजनी, थाना महमूदाबाद, जनपद सीतापुर) बताया।

तलाशी के दौरान उसके पास से 1770 रुपये और छह टोटियां बरामद हुईं। मोटरसाइकिल पर लगा नकली नंबर प्लेट UP32BU7824 था, जिसकी जांच में यह ब्लैक लिस्टेड पाया गया। चेसिस नंबर MBLHA10BWGGHH71644 से वास्तविक नंबर UP32ZEO259 (स्प्लेंडर, ब्लैक कलर) सामने आया।

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने यह बाइक 10-15 दिन पहले पूरनिया क्रासिंग के पास से चोरी की थी।

घटना की शुरुआत 17 फरवरी को हुई थी, जब जानकीपुरम निवासी अनुजा रस्तोगी ने अपने घर से 4000 रुपये और छह टोटियां चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर मुकदमा 305ए बीएनएस के तहत दर्ज हुआ था। आरोपी के खिलाफ अब धारा 317(2), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें थाना गुडंबा, गाजीपुर और गोमतीनगर में पहले से चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच कर रही है कि अन्य मामलों में भी उसका हाथ है या नहीं। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

प्रभात फेरी निकाल कर राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर 18 मार्च चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का समापन महाविद्यालय द्वारा प्रभात फेरी निकालकर किया गया इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने समाज में नशा मुक्ति, भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं जल ही जीवन जैविक खेती अपनाओ पर पोस्टर द्वारा और तेज बोल बोल कर लोगों को जागरूक किया। प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार सिंह ने सफल कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम अधिकारी धनेंद्र कुमार सिंह आशुतोष कुमार श्रीवास्तव एवं दीप्ति श्रीवास्तव को बधाई दी। बच्चों ने स्वेच्छा से रक्तदान भी किया। महाविद्यालय के मीडिया डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह नहीं बताया कि शिविर में छात्र-छात्राओं को अच्छा करने व सिखाने की प्रेरणा मिलती है। शिविर में जो भी सिखाया गया छात्र- छात्राएं उसे अपने जीवन में उतारें और अनुशासन में

रहकर आगे बढ़े राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य तभी सफल होगा । कार्यक्रम संबंधित धनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जीवन में अच्छा बनने के लिए सदैव अनुशासन में रहना चाहिए और मेहनत से अपने कार्य को करना चाहिए तभी जाकर एक अच्छा इंसान बना जा सकता है। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय सहा आचार्य डॉ उपमा त्रिपाठी विज्ञान संकाय से डॉ अनिल कुमार वर्मा तथा कृषि संकाय से डॉ हृदय नारायण तिवारी सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पूरे बाल्हेश्वर मे धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया, भाईचारे का दिया संदेश

लालगंज (रायबरेली): क्षेत्र के पूरे बाल्हेश्वर में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन मानव कल्याण समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने भाग लिया और आपसी भाईचारे के साथ होली का उत्सव मनाया। समारोह में फाग गीत, अबीर-गुलाल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को रंगीन बना दिया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम समाज में एकता और सौहार्द को बढ़ावा देते हैं।इस अवसर पर दिगम्बर सिंह,जेपी यादव, राधाकृष्ण यादव, शिवबरन, संचालक देशरज, देवी यादव, ज्ञानू यादव, चौडिया राय, स्वदेश यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोग भी मौजूद रहे और सभी ने मिलकर हर्षोल्लास के साथ होली मिलन मनाया।

भागवत कथा के छठवें दिन गोवर्धन लीला एवं महा रास की कथाओं को सुनकर आनंदित हुए श्रद्धालु

● निष्काम भाव से प्रभु का स्मरण करने से सुधरता है जन्म और मरण - कथा व्यास संध्या जी

स्वतंत्र प्रभात

महाराजगंज/रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम सभा ओथी में इन दिनों मोक्षदायिनी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्त के वातावरण में संपन्न हो रहा है। यजमान आशीष मौर्य के निवास पर आयोजित इस पुण्य अनुष्ठान का संकल्प क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा निवासी आनंद मिश्रा द्वारा लिया गया है यह उनके द्वारा संकल्पित छठवीं श्रीमद्भागवत कथा है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा स्थल पर सप्तवेदी, गणेश,अंबिका, रूद्र हनुमत देव सहित विभिन्न देवताओं की विधिवत स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है।

आपको बता दें कि, बुधवार को कथा के छठवें दिन अमांवा ब्लॉक से आमंत्रित की गई कथा वाचक संध्या जी ने प्रमुख रूप से गोवर्धन लीला एवं महा रास जैसी अदभुत कथाओं का व्याख्यान किया। कथा व्यास ने बताया कि, भगवान ने अपने बाएं हाथ की उंगली पर गोवर्धन को धारण किया और वृंदावन वासियों की रक्षा किया। जब इंद्र ने यह देखा तो इंद्र ने आकर के भगवान श्री कृष्ण से क्षमा मांगी और भगवान ने उनको क्षमा कर दिया। इसके पश्चात भगवान शरद पूर्णिमा के दिन महा रास करते हैं और अंत में भगवान ने कंस का वध किया। कथा व्यास द्वारा विभिन्न प्रसंगों को सुनकर पांडाल में उपस्थित समस्त श्रद्धालु आकर्षित होकर झूम उठे।

कथा के विराम पश्चात आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया कथा स्थल पर पूरे दिन भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। आयोजनकर्ता आनंद मिश्रा ने बताया कि,

उनके द्वारा जीवनपर्यंत श्रीमद् भागवत कथा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन निरंतर बीच-बीच जारी होते रहेंगे जिससे समाज में धर्म संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार -प्रचार होता रहे। इस मौके पर यज्ञशाला के मुख्य यज्ञाचार्य पंडित योगेंद्र तिवारी, उपयज्ञाचार्य पंडित अमरेश शुक्ला, पंडित अरूण त्रिपाठी, व्यवस्थापक पंचायत मित्र अवधेश मौर्य, सोनू मौर्य, रागेंद्र सिंह, ब्रजेंद्र सिंह, राकेश, संत प्रसाद, बबलू प्रजापति, दिनेश कोटेदार, शिवकुमार, कन्हैया मौर्य, शंकर मौर्य, महेंद्र मौर्य, भल्लर मौर्य, मूसा मौर्य, वीरू सिंह, विशाल शर्मा, बी.यल.बवाली, दीपांशू मौर्या सहित आदि समस्त भक्त उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का किया गया शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली:- उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का आयोजन आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र विकास प्राधिकरण रतापुर रायबरेली में आयोजित किया गया। विधायक सलोन अशोक कुमार ने 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विषाल कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह उपस्थित रही। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लगाए गए स्टॉलों का अतिथियों द्वारा भ्रमण कर अवलोकन किया गया एवं केंद्र सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं जनहित में क्रियान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं/ परियोजनाओं/कार्यो पर आधारित सूचना विभाग द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया गया। लगाए गए स्टॉलों के अवलोकन के दौरान विधायक द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया।

इसके पर्व लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। इसके पश्चात सभागार में दीप प्रज्वलित कर जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक/प्रमाण पत्र सहित प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाभी व प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, उद्योग विभाग के लाभार्थी किट आदि वितरित किया गया। सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

विधायक सलोन ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में सुदृढ कानून व्यवस्था स्थापित की गई है जिसके अनुसार अपराध तथा अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति प्रभावी रूप से लागू है। 7 बड़े महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना के उपरांत पुलिसिंग, जनसमस्याओं के निस्तारण व अपराध नियंत्रण में गुणात्मक सुधार। वर्ष 2017 से अब तक एक भी सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की घटना नहीं हुई। आत्मनिर्भर युवा के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत विभिन्न आयोगों एवं भर्ती बोर्ड द्वारा 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी। विगत 09 वर्षों में 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव से 1 करोड़ 10 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार व सेवायोजन के अवसर। 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे। 60 लाख रोजगार सृजित।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। मानदेय वृद्धि का यह निर्णय आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, पोषण अभियानों की प्रभावशीलता और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अपने नए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, सर्वाधिक एक्सप्रेसवे के साथ, सर्वाधिक मेट्रो के साथ, सर्वाधिक रेलवे नेटवर्क के साथ, सर्वाधिक जन सुविधाओं के साथ देश के अंदर अग्रणी राज्य बनकर के उभरा है। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, परियोजना निदेशक, डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्र, उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद कुमार, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 सविता सिंह, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी मोहन त्रिपाठी, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा सहित सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

श्रद्धा की अनूठी मिसाल बने विजय पाण्डेय , मऊ गांव में पान दुकानदार ने धूमधाम से मनाया 'गौ माता' का जन्मदिन

● ....अखंड रामायण पाठ और विशाल भंडारे के साथ विजय पांडे 'रामू' ने समाज को दिया सेवा का पावन संदेश।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत मऊ गांव में आस्था और जीव-दया का एक ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने आधुनिकता की दौड़ में भागते समाज को ठहरकर सोचने पर मजबूर कर दिया। स्थानीय निवासी और समर्पित गौ सेवक विजय पांडे उर्फ 'रामू' ने अपनी पालतू गौ माता का जन्मदिन किसी उत्सव की तरह मनाकर एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। यह आयोजन केवल एक जन्मदिन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने एक धार्मिक और सामाजिक अनुष्ठान का रूप ले लिया। इस पावन अवसर पर रामू ने अपने आवास पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन कराया, जिसकी गूँज से पूरा गांव भक्तिमय हो उठा। पाठ की पूर्णाहूति के पश्चात एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर सैकड़ों ग्रामीणों और राहगीरों ने बड़े

चाव से प्रसाद ग्रहण किया। विजय पांडे 'रामू' की कहानी उन लोगों के लिए एक आईना है जो मानते हैं कि सेवा के लिए बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है। पेशे से एक साधारण पान दुकानदार होने के बावजूद, रामू का दिल गौ सेवा के लिए अथाह करुणा से भरा है। वे और उनकी पत्नी मिलकर अपने घर में चार-पांच गायों की सेवा किसी परिवार के सदस्य की तरह करते हैं। दिन की शुरुआत से लेकर देर रात तक, यह दंपति गायों के चारे, स्वास्थ्य और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखता है। ग्रामीणों के अनुसार, रामू के लिए ये गायें पशु नहीं, बल्कि साक्षात ममता का रूप हैं। इसी अटूट श्रद्धा का परिणाम था कि उन्होंने गौ माता के जन्मदिन को क्षेत्र के लिए एक उत्सव बना दिया।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं चेयरमैन प्रतिनिधि अजय पांडे,

सत्यम सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आए अतिथियों ने विजय पांडे के इस निस्वार्थ प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। उपस्थित लोगों का कहना था कि आज के भौतिकवादी युग में, जहाँ लोग अक्सर अपने मूल संस्कारों और परंपराओं को विस्मृत कर देते हैं, वहां एक साधारण व्यक्ति द्वारा गौ सेवा के प्रति ऐसा समर्पण अद्भुत है। यह पहल न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करती है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और बेजुबान पशुओं के प्रति करुणा का संचार भी करती है। अंततः, इस सफल आयोजन ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया कि सच्ची सेवा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि इसके लिए केवल एक विशाल हृदय और अटूट संकल्प की आवश्यकता होती है।

सरौरा खुर्द में पांच दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन, विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। जनपद के ग्राम सरौरा खुर्द में आयोजित पांच दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। कथा के पांचवें दिन बिसवां विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप सिंह यादव ने कार्यक्रम में शिरकत कर कथा का रसपान किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। उनके आगमन से आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई।

इस धार्मिक अनुष्ठान में नैमिष धाम से पधारी सुप्रसिद्ध कथा वाचिका कुमारी आरती शास्त्री द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का भावपूर्ण एवं ओजस्वी वाचन किया गया। उनकी मधुर वाणी और भावपूर्ण प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कथा श्रवण के लिए आसपास के गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे आयोजन के

दौरान भक्ति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला।आयोजकों ने समापन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागरूकता और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजेश कुमार प्रजापति, जमुना प्रसाद, राकेश विश्वकर्मा, वीरेंद्र कुमार, सूरज कुमार, गोविंद कुमार, बृजेश कुमार, सुशील कुमार, कमलेश कुमार प्रजापति, मनोहर लाल प्रजापति, बनवारी लाल, आदित्य सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रीय लोगों का विशेष सहयोग रहा।

अवधी को अपनी रचनाओं से सींच रही है डॉ. ज्ञानवती दीक्षित

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में बसी एक ऐसी लेखिका, जिनकी कलम ने अवधी भाषा के आधुनिक साहित्य को नई ऊर्जा और गहराई प्रदान की है। डॉ. ज्ञानवती दीक्षित हिंदी और अवधी दोनों में सशक्त रचनाकार हैं, जो न केवल उपन्यास, कहानी और कविता के माध्यम से भावनाओं को व्यक्त करती हैं, बल्कि अवधी की आधुनिक प्रबंध धारा को व्यवस्थित रूप से विश्लेषित कर हिंदी साहित्य के साथ इसके योगदान को उजागर भी करती हैं। उनकी रचनाएँ ग्रामीण जीवन, पारिवारिक संबंधों, स्त्री संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई हैं, जो अवधी को जीवंत और समकालीन बनाती हैं।

शिक्षा और व्यावसायिक जीवन

डॉ. ज्ञानवती दीक्षित सीतापुर के आर्य कन्या इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या के रूप में कार्यरत रहीं। इस पद पर उन्होंने बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए विशेष योगदान दिया। वे लड़कियों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मविश्वास और सामाजिक जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रहीं। शिक्षा क्षेत्र में उनके प्रयासों की वजह से वे स्थानीय स्तर पर एक प्रेरणा स्रोत बनीं। हालांकि, 2024 में कुछ विवादास्पद घटनाओं के बाद उनका निलंबन हुआ, लेकिन महिला संगठनों और समर्थकों ने उनकी बहाली की जोरदार मांग की, जो उनके शिक्षाविद् के रूप में सम्मान को दर्शाता है।

साहित्यिक योगदान: अवधी का संरक्षण और समृद्धि

डॉ. ज्ञानवती दीक्षित की सबसे बड़ी उपलब्धि अवधी साहित्य के आधुनिक रूप को राष्ट्रीय मंच पर लाना है। उनकी प्रमुख कृति 'अवधी की आधुनिक प्रबंध धाराः हिंदी का अद्भुत संदोह '(2019, देशभारती प्रकाशन, दिल्ली) लगभग तीस वर्षों के शोध का नतीजा है। इस ग्रंथ में उन्होंने अवधी के आधुनिक प्रबंध काव्यों की परंपरा, प्रवृत्तियाँ, वस्तुवर्णन, अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष का गहन विश्लेषण किया है। समीक्षकों ने इसे अवधी और हिंदी साहित्य के शोधकर्ताओं के लिए अत्यंत उपयोगी माना है, क्योंकि इससे अवधी के योगदान को हिंदी साहित्य में उचित स्थान मिलता है।

उनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ: गोमा तीरे '(2016, शब्द शक्ति प्रकाशन, कानपुर) - इस उपन्यास पर उन्हें हिन्दी संस्थान, लखनऊ द्वारा 2016 में जायसी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह ग्रामीण परिवेश और भावनाओं को छूने वाली सशक्त रचना है।'भाभी जी' - एक पारिवारिक भावगम्य उपन्यास, जो हिंदी उपन्यास विधा में अपनी जगह बनाता है। इसका लोकार्पण और विमोचन साहित्यिक हलकों में सराहा गया।

-'मी लार्ड' - हाल की रचना, जिसका विमोचन सीतापुर में प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ।

इसके अलावा उन्होंने कहानियाँ, कविताएँ और गीत भी लिखे हैं। उनका गीत 'जुगनू टिमटिमाते हैं' संगीतबद्ध होकर लोकप्रिय हुआ है। वे कुल मिलाकर एक दर्जन से अधिक पुस्तकों की रचयिता हैं।

व्यक्तिगत जीवन और विरासत

डॉ. ज्ञानवती दीक्षित के पति श्री भूपेंद्र दीक्षित स्वयं एक जाने-माने कवि और साहित्यकार हैं। दंपति की साझा साहित्यिक

रुचि उनके जीवन को और समृद्ध बनाती है। सीतापुर में रहते हुए वे निरंतर साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। उनकी रचनाएँ अवधी को न केवल संरक्षित कर रही हैं, बल्कि इसे आधुनिक संदर्भों में जीवंत बनाकर नई पीढ़ी तक पहुँचा रही हैं। डॉ. ज्ञानवती दीक्षित की कलम अवधी के सूखे मैदानों को भावनाओं की वर्षा से सींच रही है। वे साबित करती हैं कि क्षेत्रीय भाषाएँ राष्ट्रीय साहित्य का अभिन्न अंग हैं और उनकी रचनात्मकता से ही भाषाएँ अमर होती हैं। उनकी यात्रा शिक्षा, साहित्य और सामाजिक जागरण का अनुपम उदाहरण है, जो अवधी प्रेमियों के लिए सदैव प्रेरणा बनी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

देवरिया, 18 मार्च। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीमों द्वारा 'मिशन शक्ति फेज-5.0' और 'शक्ति दीदी' अभियान चलाया गया। इसके तहत बरहज स्थित बाबा राघव दास महिला महाविद्यालय समेत विभिन्न स्थानों पर महिलाओं, बालिकाओं व छात्राओं को जागरूक किया गया। टीमों ने डायल-112, 1090, 181, 1098, 1076, 102, 108 व 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। रुद्रपुर क्षेत्र में भी बैंक व सार्वजनिक स्थलों पर पंपलेट वितरित कर सुरक्षा उपायों के बारे में बताया गया। पुलिस ने महिलाओं को आत्मरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और आपात स्थिति में तुरंत सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- बुधवार को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए।उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अनपरा तापीय परियोजना इं. चंद्र प्रकाश बने महाप्रबंधक, परियोजना परिसर में जश्न का माहौल

अनपरा, सोनभद्र, 2026 उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा अनपरा तापीय परियोजना में कार्यरत वरिष्ठ अभियंता इं. चंद्र प्रकाश को महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी इस उपलब्धि की सूचना मिलते ही पूरे परियोजना परिसर में हर्ष की लहर दौड़ गई। मंगलवार को उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान विद्युत कर्मियों और संगठन के पदाधिकारियों ने इं. चंद्र प्रकाश के अब तक के कार्यकाल और निगम के प्रति उनके अमूल्य योगदान की चर्चा की। परियोजना में कार्यरत इं. अभिषेक सिंह ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि चंद्र प्रकाश सर की कार्यशैली, तकनीकी विशेषज्ञता और निगम के प्रति उनकी अटूट निष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। इं. असुरजीत शर्मा और प्रवीण कश्यप ने पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने साझा किया कि यह पदोन्नति न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है, बल्कि इससे पूरे अभियंता संवर्ग और विद्युत कर्मियों का मान बढ़ा है। विद्युत कर्मी नेता विष्णु देव झा ने इं. चंद्र प्रकाश को स्मृति चिन्ह प्रदान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कर्मियों ने यह विश्वास जताया कि महाप्रबंधक के रूप में उनका अनुभव अनपरा परियोजना और निगम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। इस शुभ अवसर पर सैकड़ों की संख्या में परियोजना कर्मी और अधिकारी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से बधाई देने वालों में शामिल रहे। इं. एस पी यादव, उत्पल शंकर, अच्युतेश कुमार, विजय कुमार दिनकर, कुमार गौरव, आलोक त्रिपाठी, उमेश पाण्डेय, रामदरश, रवि कुरील, अरुण कुमार, ओम प्रकाश भारती, वेद प्रकाश विश्वकर्मा, मो. शाहिद, केशव प्रसाद, संदीप सिंह, अनूप चंद्रा, दिनेश शंकर द्विवेदी, अभिषेक सिंह, रवित कुमार, वैशाली गौतम, भैया विवेक सिंह, विकाश रंजन, अखिलेश सिंह, अविनाश सिंह, सुजीत सोनी, प्रशांत उपाध्याय और विशाल शाही।

भाजपा राजनगर मंडल अध्यक्ष के निर्णय भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए भस्मासुरी न हो साबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनेश चौधरी की रिपोर्ट शहडोल

अनूपपुर/शहडोल- भाजपा राजनगर मण्डल का एक दौर था जब पूरे जिले में राजनगर मंडल संगठन के कार्यों को लेकर सबसे अव्वल रहा करता था।बूथ से लेकर संगठन स्तरीय कार्यक्रम हो या किसी कार्यक्रम की सहभागिता को लीड करना हो राजनगर मण्डल हमेशा आगे रहता था। लेकिन जैसे ही मण्डल अध्यक्ष का बदलाव हुआ वैसे ही राजनगर मण्डल पूरे जिले में फिसड्डी होता चला गया। राजनगर मंडल अध्यक्ष की एकला चलो की नीति भाजपा को गर्त में धकेलना का काम कर रही है, जिसकी वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में फुट एवं निराशा का संचार हुआ है एवं पार्टी कार्यकर्ता धीरे-धीरे पार्टी से दूरी बनाने लगे हैं। जिसका असर आने वाले नगरीय निकाय चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में दिखेगा सूत्रों के अनुसार अगर पार्टी हाई कमान ऐसे मंडल अध्यक्ष को तानाशाही करने की छूट देकर रखेगी तो आने वाले समय में पार्टी को कार्यकर्ताओं की कमी भी झेलनी पड़ेगी क्योंकि वर्तमान मंडल अध्यक्ष द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं दिया जाता है। जिससे पार्टी कार्यकर्ता पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाने लगे हैं।

कार्यकारिणी गठन में डेढ़ साल का लगा समय, जिले में सबसे फिसड्डी

वैसे तो पहले भाजपा मंडल में राजनगर मंडल संगठन के कार्यों में अव्वल रहा करता था लेकिन जैसे ही नए मंडल अध्यक्ष का चयन हुआ उसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं का संगठनात्मक कार्यों में दिलचस्पी न लेना मंडल अध्यक्ष की नाकामी का उदाहरण है मंडल अध्यक्ष का चयन हुए डेढ़ साल बीत जाने के बावजूद पार्टी के कार्यकारिणी का गठन नहीं किया जा सका था जबकि वहीं पाषाण मंडल के अध्यक्ष चयन होते ही कार्यकारिणी का सफलतापूर्वक गठन कर लिया गया। जिससे राजनगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं में पार्टी के कार्यों के प्रति उदासीनता साफ देखी जा रही है सूत्रों के अनुसार पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष एकला चलो नीति का अनुसरण करते हैं और पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया जाता है।

शासकीय कर्मचारी और गैर मीडिया कर्मी को बनाया मीडिया प्रभारी

वैसे तो राजनगर मंडल नए मंडल अध्यक्ष बनने के बाद से ही निष्क्रिय से नजर आ रही थी लेकिन खबरों के लगातार प्रशासन के बाद मंडल अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारिणी का गठन तो कर लिया गया लेकिन इस पर भी भारी भी संगति देखने को मिली है जो कार्यकर्ता पार्टी के लिए तन मन धन से समर्पित रहता था ऐसे कार्यकर्ताओं को पार्टी पर उचित पद ना दिया जाना समर्पित कार्यकर्ताओं की की निष्ठा को ठेस पहुंचाने जैसा कार्य है मंडल अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारिणी में मीडिया प्रभारी के रूप में जिनका चयन किया गया है वह एक तरफ सास की कर्मचारी हैं और दूसरी तरफ शासकीय कर्मचारी होने के कारण पत्रकारिता से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है उसके बावजूद ऐसे शख्स को मीडिया प्रभारी बनाना पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अब देखना यह होगा कि भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा इस भूल को सुधार किया जाता है या फिर एकला चलो की नीति को संरक्षण दिया जाएगा।

कार्यकारिणी के गठन होते ही इस्तीफो का दौर हुआ शुरू

नवीन मंडल अध्यक्ष बनते ही भाजपा की संघटनात्मक कार्य प्रणाली धीमी गति से कार्य करने लगी लगातार खबरों के प्रकाशन के बाद मंडल अध्यक्ष द्वारा डेढ़ साल बाद कार्यकारिणी का गठन तो कर लिया गया लेकिन पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में गठन न दिए जाने की वजह से कार्यकारिणी के गठन के बाद ही इस्तीफा का सिलसिला चल पड़ा था अगर इसी तरह से मंडल अध्यक्ष द्वारा पार्टी के कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज और पद से वंचित रखा जाएगा तो आने वाले समय में पार्टी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

● ड्राइवर और कंडक्टर भागे, इस इलाके में एक हफ्ते के भीतर तीसरा हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- लंभुआ थाना क्षेत्र के मुरली नहर के पास बुधवार दोपहर तीन बजे के करीब एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें जौनपुर डिपो की रोडवेज बस की चपेट में आने से बाइक सवार अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, वाराणसी से लखनऊ जा रही रोडवेज बस ने मुरली नहर के पास डिवाइडर के समीप बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उनकी प्लैटिना मोटरसाइकिल बस के नीचे फंस गई।

मृतक की पहचान सैतापुर सराय गांव निवासी रमेश मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा (48) के रूप में हुई है। उनके परिवार में एक बेटी पूजा है, जिसकी शादी पिछले साल हुई थी, जबकि बेटा शुभम बाहर रहकर नौकरी करता है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। दुर्घटना के बाद बस चालक, परिचालक मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 108 और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने शव को लंभुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। क्षेत्राधिकारी ऋतिक कपूर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि इसी स्थान से करीब 500 मीटर के दायरे में एक सप्ताह के भीतर यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। 13 मार्च को कार की टक्कर से एक युवक की मौत हुई थी, जबकि 16 मार्च को एक अन्य हादसे में बाइक सवार दंपति बाल-बाल बच गए थे। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से क्षेत्र में दहशत और चिंता का माहौल है।

बी आर सी खैराबाद में एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय विद्यालय प्रबन्ध समिति प्रशिक्षण सम्पन्न

● समस्त कार्यों में पूर्ण तया पारदर्शिता बरती जाए और क्रय समिति के द्वारा ही धनराशि खर्च की जाएः- संतोष कुमार मिश्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र खैराबाद में समग्र शिक्षा जनपद सीतापुर के अंतर्गत विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष तथा सचिव प्रधानाध्यापकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार मिश्र के द्वारा की गई जबकि संचालन प्राथमिक विद्यालय जैतीखेड़ा के शिक्षक ओमनी मिश्रा ने की तथा उक्त के सम्बन्ध में प्राथमिक विद्यालय भागौतीपुर प्रथम के राहुल कुमार तिवारी तथा कंपोजिट विद्यालय उनसिया के मास्टर ट्रेनर पुष्पेंद्र मौर्य ने विस्तार से बताया।इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष नरेश कुमार मिश्र,प्राथमिक के पवन कुमार सिंह, ज़िला महिला उपाध्यक्ष वंदना दीक्षित, डॉक्टर अनुपम मिश्रा, कंपोजिट विद्यालय भागौतीपुर के प्रधानाध्यापक टी पी सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष काज़िम हुसैन,मंत्री ज़हीर आलम,अमित त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया।प्रशिक्षण में सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, सचिव , अध्यक्ष ने भी अपने विचार व्यक्त किए,वक्ताओं ने बड़ी संख्या में अपील करते हुए मांग किया कि जिन विद्यालयों में ग्राम प्रधान के द्वारा खाना बन रहा है वहां की गुणवत्ता बहुत ख़राब है इस लिए उनसे लेकर विद्यालय प्रबन्ध समिति के द्वारा बनवाने की व्यवस्था की जाए जिसका सभी ने समर्थन किया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार मिश्र ने संबोधित करते हुए कहा कि जिन विद्यालयों में पैसा गया है उसको निकालकर जिस मद का गया है उसी के अनुसार उक्त कार्यों पर खर्च करके अपने कार्यों को पूर्ण कराएं लेकिन जो भी व्यय किया जाए उसका सही से पंजिका में अंकन किया जाए और उसका संपूर्ण विवरण बैनर पर लिखवा कर दीवार पर लगवाया जाए। कक्षा एक दो तीन

का शिक्षण कार्य विद्यालय के सबसे अच्छे शिक्षकों द्वारा ही करवाया जाए। प्रशिक्षण में एस एम सी के उपस्थित सभी सचिव प्रधानाध्यापक एवं अध्यक्षों को प्रशिक्षण सामग्री तथा जलपान एवं दोपहर में भोजन भी करवाया गया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग करने वालों में कार्यालय सहायक पंकज कुमार रावत, ब्रजेश दीक्षित, रमेश रस्तोगी, संतोष त्रिवेदी, प्रमोद कुमार, संजय कुमार, सिराज अहमद, मनीष पाल,संतोष कुमार,सुधीर कुमार आदि प्रमुख हैं।

किसान मित्र योजना पुनः बहाल करने की मांग

सिद्धार्थनगर, प्रगतिशील किसान मित्र योजना पुनः बहाल करने व अब तक का मानदेय एवं यात्रा भत्ता दिलाने के लिए किसान मित्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार ने जन सुनवाई पोर्टल पर प्रार्थना पत्र देकर मांग की हैं प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि प्रदेश में लगभग 52000 किसान मित्र रोजी- रोटी के लिए लगभग कई वर्षों से भटक रहे हैं, उन्होंने ने प्रदेश सरकार से मांग की हैं कि प्रगतिशील किसान मित्र योजना पुनः बहाल करते हुए अब तक का मानदेय एवं यात्रा भत्ता दिया जाय।

सिलापथार में मछली पकड़ते समय करंट लगने से दो महिला की मौत एक गंभीर रूप से घायल, इलाके में शोक की माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। सिलापथार थाने अंतर्गत 2 नंबर माजरबारी सोनापुर गांव के तीन महिला मिलकर मछली पकड़ने के लिए खेत के जमीन में जा रहे थे। उसी जमीन किनारे किसीने उच्च क्षमता वाले बिजली संजोग कर रखा था।

पानी के स्पर्श करते हो दो विद्युत पृष्ठ हो जाते ओर मौका ही बरदार पर एकेली बसुमतारी(52) और पूर्णिमा बसुमतारी 50 की मौत हो जाते है। तीसरी महिला गाजेव बसुमतारी (25) ने जान बचाते हुए जख्मी हालात में घरवालों को घटना की जानकारी दी।

इस दर्दनाक घटना से इलाके में शोक का माहौल है। मृतकों के परिवार के लोग एवं गांव वाले ने बिजली छुरी कर अवैध तरीके से इस्तेमाल करने वाले के उपर कड़ी करवाई करने की मांग के साथ पीड़ित इन दो गरीब परिवारों को सरकार से मुआवजा देने कि मांग को है। घटना स्थल पर पुलिस पहुंच कर दो मृत महिला को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया ओर घटना की जांच शुरू कर दी।

सात दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन धूमधाम के साथ भंडारे के साथ हुआ समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र के कोल्हनपुर ग्राम पंचायत के खौपुर मे सात दिवसीय श्रीराम कथा, भंडारे का समापन हो गया।भगवान राम की बाल लीलाओ और रावण वध के साथ कथा व्यास राघवप्रिया ने संगीतमय राम कथा श्रवण कराया। वही आचार्य दिव्य शास्त्री अयोध्या की अध्यक्षता में बाल एवं युवा कलाकारों द्वारा श्रीराम कथा का जीवंत मंचन भी किया गया। गांव के लोगों के सहयोग से सामूहिक कथा आयोजन , भंडारे प्रसाद वितरण कराया गया। यजमान अमरनाथ पांडेय प्रधान ने कथा व्यास पीठ राघव प्रिया अयोध्या धाम का पूजन कराकर कथा समापन कराया गया । श्रीराम कथा के जन्म और बाल लिलाओ सहित रावण वध की संगीतमय कथा के साथ कलाकारो ने नाट्य रुपांतरण कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन मे अमरनाथ पांडेय प्रधान, दिव्यानंद शास्त्री, आनंद पांडेय, राजदत्त पांडेय, पंकज पांडेय, गुड्डू पाडेय, बब्लू पांडेय, अंबिकेश्वर पांडेय, विभु पांडेय, रमेश पांडेय, अनुराग पांडेय,चिंतामणि तिवारी, भूपेश पांडेय, विनोद पांडेय, कन्हैया लाल शर्मा प्रधानाध्यापक, शेषनरायन तिवारी, कृष्णा शुक्ला, आनंद पांडेय, ममता पांडेय, अनु पांडेय, रुचि पांडेय, प्रिया पांडेय, सलोनी पांडेय, अनन्या पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

तीन चोरी की घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

देवरिया। जनपद की गौरीबाजार पुलिस ने तीन अलग-अलग चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त एक ई-रिक्शा, 65 किलो गेहूं, 100 किलो चावल, एल्यूमिनियम के बर्तन, एक सोलर पैनल तथा 4600 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब 5.40 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी जोगम गांव के रहने वाले हैं और मुखबिर की सूचना पर पश्चिमी रेलवे ढाला के पास से पकड़े गए। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की है। संबंधित मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए आगे की जांच जारी है।

जिलाधिकारी ने किया जनगणना 2027 के फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

● जिलाधिकारी ने जनगणना 2027 के सटीक आंकड़ों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण पर दिया जोर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद बलरामपुर में फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास भवन परिसर स्थित जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर हॉल में आयोजित किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री विपिन कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया है, जिसके आधार पर भविष्य की विकास योजनाओं का निर्माण किया जाता है। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 पूर्णतया डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिससे आंकड़ों के संकलन, संधारण और विश्लेषण में पारदर्शिता एवं सटीकता सुनिश्चित होगी।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। इस प्रक्रिया में नागरिकों को स्व-गणना (Self Enumeration) का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। इसके तहत 7 मई से 21 मई 2026 के बीच सामान्य परिवार स्वयं डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके पश्चात 22 मई से 20 जून 2026 के मध्य जनगणना प्रगणक एवं सुपरवाइजर अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में घर-घर जाकर आवश्यक सूचनाओं का संकलन करेंगे।

जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सटीक और विश्वसनीय आंकड़ों के संकलन के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनर्स से अपेक्षा की कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत वे जनपद में नियुक्त सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरो को भी गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करें, ताकि जनगणना की प्रक्रिया सुचारु और त्रुटिरहित ढंग से सम्पन्न हो सके।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/जिला जनगणना अधिकारी ने बताया कि फील्ड ट्रेनर्स के लिए आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लखनऊ में प्रशिक्षित जनपद के मास्टर ट्रेनर श्री चन्द्र मणि मिश्र एवं श्री गोविन्द कुमार (डायट प्रवक्ता) द्वारा प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से फील्ड ट्रेनर्स को डिजिटल एप्लिकेशन, डेटा संकलन की प्रक्रिया, सत्यापन प्रणाली तथा जनगणना से संबंधित अन्य तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद यही फील्ड ट्रेनर्स जनपद में नियुक्त सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरो को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, जिससे जनगणना कार्य की तैयारी समयबद्ध और व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी , नायब तहसीलदार, जनपद के मास्टर ट्रेनर तथा जनगणना हेतु जिला प्रभारी महेन्द्र कुमार गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। जनपद प्रशासन द्वारा जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्धता के साथ पूर्ण हो सके।

प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नव वर्ष पूर्ण होने पर जनपद में आयोजित हुआ कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नव वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियों एवं नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री जी का वर्चुअल संबोधन सुना गया।कार्यक्रम में विधायक बलरामपुर सदर श्री पल्टूराम, विधायक तुलसीपुर श्री कैलाश नाथ शुक्ला तथा जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री आरती तिवारी, अध्यक्ष नगर पालिका बलरामपुर श्री धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, जिलाध्यक्ष श्री रवि मिश्रा द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं चेक वितरित किए गए। साथ ही जनप्रतिनिधियगण द्वारा सरकार की जनहितकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक बलरामपुर सदर श्री पल्टूराम ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी एवं प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशन और नेतृत्व में जनपद विकास की नई गति प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और आज बेटियां रात्रि के समय भी सुरक्षित वातावरण में आवागमन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। युवाओं को कौशल विकास से जोड़कर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी 2016 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, जो वर्तमान में घटकर 2.21 प्रतिशत रह गई है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में सतत कार्य कर रही है, जिससे खेती अधिक उन्नत हुई है और किसान समृद्धि की ओर अग्रसर हैं। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रदेश सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किए हैं। बड़ी संख्या में महिलाओं की पुलिस में भर्ती की गई है तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। लखपति

महिला योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्त बन रही हैं।कार्यक्रम के दौरान सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास संबंधी पहलों की जानकारी भी आमजन को उपलब्ध कराई गई। जनप्रतिनिधियगण ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इस दौरान डीएम श्री विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता, प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री श्याम मनोहर तिवारी , मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

अयोध्या पुलिस चोर पर मेहरबान, 24 घंटे बाद भी नहीं दर्ज किया केस

● किराना स्टोर से चोरी का वीडियो वायरल

● शातिर चोर को ग्रामीणों ने पड़कर पुलिस के किया सुपुर्द

● तहरीर मिलने के बावजूद भी इनायत नगर पुलिस नहीं दर्ज कर रही एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र में एक किराना स्टोर से दाल चोरी करने के आरोपी को दुकानदार और ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। दुकानदार ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन पुलिस ने अभी तक मामला

दर्ज नहीं किया है। हालांकि चोरी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना इनायत नगर थाना क्षेत्र के पांच नंबर चौराहा स्थित उमेश चंद्र किराना स्टोर की है। दुकानदार उमेश चंद्र का आरोप है कि वर्ष 2017 से उनकी दुकान से करीब 20 लाख रुपये का सामान चोरी हो चुका है।

शिकायतकर्ता उमेश चंद्र के अनुसार, 16 मार्च 2026 की सुबह एक ग्राहक ने दाल मांगी। जब दुकानदार दाल रखने वाली जगह पर गया, तो वहां से दाल गायब मिली। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें पास का ही एक युवक दाल की बोरी चुराते हुए स्पष्ट दिखाई दिया। दुकानदार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और सीसीटीवी फुटेज दिखाए। पुलिस आरोपी युवक को पकड़कर थाने ले गई। दुकानदार ने मुकदमा दर्ज करने के लिए शिकायती प्रार्थना पत्र भी दिया है, लेकिन पुलिस ने अभी मामले में कोई भी प्राथमिकी नहीं दर्ज की है, अलबत्ता पकड़े गए शातिर चोर पर मेहरबान दिख रही है। इस संबंध में जब थानाध्यक्ष रतन शर्मा से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।